RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7, अंकः 211, रविवार, 13 सितंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

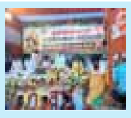
वैदिक मंत्रों और राष्ट्र निर्माण के संदेश से गूंजा आर्य समाज परिसर 03

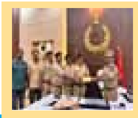
डकैती कांड का सफल उद्भेदन करने वाली पुलिस टीम सम्मानित 04

वन के बाद इन 5 फिल्मों में दिखेगा तमन्ना भाटिया का अलग अंदाज 07

पंडा जी के घर में परंपरा और सरकारी टेंट सिटी में सुविधा

पितृपक्ष के लिए गयाजी पूरी तरह तैयार, 25 सितंबर से मेला

गयाजी (एजेंसी)। बिहार के गयाजी में 25 सितंबर से 10 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला 2026 को लेकर जिला प्रशासन ने देश-विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं।

पिंडदान और तर्पण के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को आवासन, भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य, सुरक्षा और स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया है। इस बार श्रद्धालुओं के लिए 44 आवासन स्थल चिन्हित किए गए हैं, जहां करीब 12,070 लोगों के ठहरने की व्यवस्था की गई है।

पितृपक्ष मेले के लिए गयाजी में बड़ी तैयारी- पितृपक्ष के दौरान गयाजी में देश के विभिन्न हिस्सों के साथ विदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इसे देखते हुए प्रशासन ने पारंपरिक पंडा आवासों, धर्मशालाओं और होटलों के अलावा बड़े स्तर पर अस्थायी आवासन की व्यवस्था की है। गांधी मैदान में कुंभ मेला की तर्ज पर करीब 2,500 बेड की क्षमता वाली आधुनिक टेंट सिटी तैयार की गई है। यहां श्रद्धालुओं के लिए ठहरने के साथ पेयजल, रोशनी और शौचालय जैसी सुविधाएं निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं।

सभी जगहों पर हर तरह की सुविधा- जिला प्रशासन के अनुसार, सभी आवासन स्थलों पर पेयजल, चेंजिंग रूम, शौचालय, स्नानागार, पर्याप्त रोशनी, पंखे और महत्वपूर्ण दूरभाष नंबरों से संबंधित साइनेज की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए मेडिकल टीमों की प्रतिनियुक्ति की गई है, जबकि आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए फायर सेफ्टी की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। आवासन स्थलों पर 24 घंटे सफाई की व्यवस्था रहेगी। सुरक्षा व्यवस्था के तहत प्रमुख आवासन स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। पुलिस बल और दंडाधिकारियों की भी प्रतिनियुक्ति की गई है। जिला पदाधिकारी शशांक शुभंकर ने संबंधित अधिकारियों और कर्मियों को नियमित निरीक्षण करने तथा श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी नहीं होने देने का निर्देश दिया है। आवासन व्यवस्था में निगमा मोनास्ट्री में सर्वाधिक 2,400, मगध विश्वविद्यालय परीक्षा भवन में 1,200, मानवीकी भवन गया कॉलेज में 800, राम रुचि बालिका इंटर विद्यालय में 520, महावीर इंटर विद्यालय में 500, टी मॉडल इंटर विद्यालय और प्लस टू हरिदास सेमिनरी विद्यालय में 400-400 श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा कई विद्यालयों, धर्मशालाओं और अन्य भवनों को भी आवासन स्थल बनाया गया है। पिंडदानियों के लिए पंडा आवास भी महत्वपूर्ण विकल्प होते है। कई पिंडदानी अपने पुरोहित के घर ही रुकते हैं। यहां श्रद्धालुओं को रहने के साथ पिंडदान की सामग्री आदि उपलब्ध कराई जाती थी।

बोधगया के होटलों में भी खास तैयारी

गयाजी और बोधगया के निजी होटल भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए तैयार हैं। बोधगया के कई होटल श्रद्धालुओं के लिए विशेष पिंडदान पैकेज और अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध करा रहे हैं। प्रशासन का लक्ष्य है कि पितृपक्ष मेला के दौरान गयाजी पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को धार्मिक अनुष्ठान के साथ सुरक्षित, स्वच्छ, सुविधाजनक और सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

टीएमसी के बागी गुट की ममता बनर्जी को चुनौती

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के नाम और चुनाव चिह्न के लिए जारी लड़ाई अब नंदीग्राम उपचुनाव तक पहुंच गई है। बागी गुट ने पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी से वहां से चुनाव लड़ने को कहा है और वादा किया है कि वे उनके खिलाफ कोई उम्मीदवार नहीं उतारेंगे। बुधवार को सार्वजनिक रूप से दिया गया यह प्रस्ताव एक अपील भी है और एक चुनौती भी। 2021 में नंदीग्राम में बनर्जी को अपने करियर का सबसे बड़ा चुनावी झटका लगा था।

उन्होंने इस सीट को बीजेपी के खिलाफ अपने अभियान का मुख्य केंद्र बनाया था, लेकिन वह अपने ही पूर्व सहयोगी और बीजेपी उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी से हार गईं। इसके अलावा, टीएमसी का बागी गुट अपनी चुनावी साख साबित करने की होड़ में लगा है, जबकि पार्टी के नाम और 'घास पर दो फूल' वाले चुनाव चिह्न पर उसका दावा अब भी निर्वाचन आयोग के पास लंबित हैं।

प्रज्जवल रेवन्ना के मोबाइल में पोर्न वीडियो की पुष्टि

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु की जेल में बंद पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के मोबाइल में कई पोर्न वीडियो और पेन ड्राइव में वेब सीरीज मिलने की बात सामने आई है। शनिवार को फोन और अन्य डिवाइस की फोरेंसिक जांच में इसका पता चला। क्राइम ब्रांच ने 11 अगस्त को परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल में छापा मारा था। इस दौरान रेवन्ना को जेल की कोठरी में मोबाइल इस्तेमाल करते पकड़ा गया। अधिकारियों ने मोबाइल, चार्जर, पेन ड्राइव और नोटबुक जब्त की थी। प्रज्वल, जेएसडी विधायक एचडी रेवन्ना के बेटे और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते हैं। वह नौकरानी से रेप केस में उम्रकैद की सजा काट रहे हैं। जेल में मोबाइल, पेन ड्राइव या नशीली चीजें मिलने पर कैदी की सुविधाएं कम की जा सकती हैं या उसे अलग सेल में रखा जा सकता है। उसके खिलाफ नया केस दर्ज हो सकता है और अतिरिक्त जेल की सजा भी हो सकती है। जांच में सामने आया कि बाहर 10 हजार का फोन जेल के अंदर 75 हजार तक में बेचा जाता था।

ब्रिक्स के साझा बयान में पहलगाम हमले की निंदा

रूस-चीन समेत सभी देशों ने टेरर फंडिंग रोकने पर दिया जोर

कहा- आतंकियों को पनाह देने वालों पर मिलकर ऐक्शन लेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस और चीन समेत ब्रिक्स देशों ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की है। देशों ने कहा कि आतंकियों को पनाह देने वालों के खिलाफ मिलकर कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही, आतंकियों तक पहुंचने वाली फंडिंग रोकने और उन्हें सुरक्षित ठिकाने देने वालों पर कार्रवाई करने पर भी सहमति बनी है। ब्रिक्स देशों के बीच संयुक्त बयान जारी करने पर सहमति ऐसे समय में बनी है, जब पश्चिम एशिया में तनाव है और ईरान, सऊदी अरब और यूएआई के कई मुद्दों पर अलग-अलग रुख हैं। भारत ने लगातार बातचीत के जरिए इन मतभेदों को दूर किया है।

ब्रिक्स देशों ने नई दिल्ली घोषणापत्र को दी मंजूरी

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में दिल्ली घोषणापत्र को मंजूरी दे दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली में हो रहे 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में नई दिल्ली घोषणापत्र 2026 को सर्वसम्मति से अपनाए जाने की घोषणा की। पीएम मोदी ने शिखर सम्मेलन में कहा कि किसी भी सदस्य ने कोई आपत्ति नहीं जताई है। नई दिल्ली घोषणापत्र 2026 को सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया है। रॉयटर्स के अनुसार, संयुक्त घोषणापत्र में संघर्ष को रोकने के प्रयासों की सराहना की गई है।

संयुक्त बयान पर ब्रिक्स देशों में आम सहमति

ब्रिक्स देश शनिवार सुबह 4 बजे तक चली गहन बातचीत के बाद एक संयुक्त बयान पर आम सहमति पर पहुंचे। बातचीत के दौरान कई विवादास्पद मुद्दों पर मतभेद सामने आए। भारत ने परस्पर विरोधी स्थितियों को पाटने और सदस्यों के बीच आम सहमति बनाने के लिए लगातार विचार विमर्श करता रहा। यह सफलता विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात सभी एक ही मंच का हिस्सा हैं, इसके बावजूद कि कई क्षेत्रीय और भू-राजनीतिक मुद्दों पर उनके बीच गहरे मतभेद और परस्पर विरोधी स्थितियां हैं। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्षों और बढ़ते तनाव के बीच, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के बीच आम सहमति बनाना एक विशेष रूप से जटिल कूटनीतिक चुनौती थी। भारत की कूटनीतिक कुशलता ने यह सुनिश्चित किया कि ये मतभेद ब्रिक्स प्रक्रिया को पटरी से न उतारें, जिससे सदस्य देशों के बीच भू-राजनीतिक स्थितियों में भारी अंतर के बावजूद एक संयुक्त बयान पर आम सहमति का मार्ग प्रशस्त हुआ।

पाकिस्तानी आतंकी का सड़ा शव बरामद

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के डोडा में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े पाकिस्तानी आतंकी का शव सुरक्षाबलों ने शनिवार को बरामद किया। इसके पास से नाइट विजन क्षमता वाली एम 4 राइफल भी बरामद हुई है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के मुताबिक, बीएसएफ डोडा, राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ की संयुक्त

टीम को सर्च के दौरान आतंकी के अवशेष बरामद किए। पुलिस ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। 1980 के दशक की एम 4 असॉल्ट राइफल का इस्तेमाल अफगानिस्तान युद्ध के दौरान नाटो और अमेरिकी सेना करती थी। युद्ध और शहरी संघर्ष के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक हल्की, गैस-संचालित राइफल है। अफगानिस्तान से अमेरिकी और नाटो बलों के निकलने के बाद, इन राइफलों पर तालिबान ने कब्जा कर लिया था।

यूपी में उफान पर नदियां, मकान-पेड़ घाघरा में समाए

लखनऊ से सटे बाराबंकी में मस्जिद नदी में लटकी, 60 जिलों में बारिश का अलर्ट

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में लगातार हो रही मानसूनी बारिश से नदियां उफान पर हैं। 26 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 4 लाख की आबादी प्रभावित है। पीलीभीत में शारदा नदी का कटान तेज हो गया है। तेज बहाव में किनारे पर बने मकान और विशाल पेड़ नदी में समा गए। लखनऊ से सटे बाराबंकी में मस्जिद का आधा हिस्सा सरयू नदी में लटका हुआ है। कभी भी मस्जिद नदी में समा सकती है। कानपुर-उन्नाव में गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई हैं। नदी के किनारे पर बने गांवों में 10 फीट तक पानी भर गया है। प्रयागराज में गंगा-यमुना का जलस्तर फिर बढ़ने लगा है।

- **बलिया में गंगा खतरे के निशान से 1.5 मीटर ऊपर-** बलिया में गंगा और सरयू का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। इससे सदर, बैरिया और बांसडीह तहसील के कई गांवों और शहर के निचले इलाकों में बाढ़ का पानी घुस गया है। शनिवार सुबह 8 बजे गायघाट गेज पर गंगा का जलस्तर 59.16 मीटर दर्ज हुआ। यह खतरे के निशान 57.615 मीटर से 1.545 मीटर ऊपर है।

ब्रिटिश पायलटों को ट्रेनिंग देंगे वायुसेना के 3 जांबाज पायलट

- इतिहास में पहली बार रॉयल एयर फोर्स के पायलटों के गुरु बने अफसर

लंदन (एजेंसी)। आजाद भारत के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब भारतीय वायु सेना के तीन पायलट ट्रेनर के तौर पर रॉयल एयर फोर्स में शामिल हुए हैं। वे वेल्स में यूके वैली में युवा ब्रिटिश पायलटों को ट्रेनिंग देंगे। यह घटना 1932 में औपनिवेशिक भारत में अंग्रेजों की तरफ से शुरुआती वायु सेना स्थापित किए जाने के लगभग एक सदी बाद हुई है।

आईएएफ के तीन पायलट क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर के तौर पर शामिल हुए हैं। यह पहली बार है जब भारतीय फोर्स को यूके में रॉयल पायलटों को फ्लाइंग ट्रेनिंग देने के लिए भेजा गया है। उनकी तैनाती शुरू में दो साल के लिए होगी। भारतीय वायुसेना ने एक्स पर एक पोस्ट में तीनों पायलटों की एक तस्वीर शेयर की और कहा आईएएफ के तीन जवान रॉयल एयर फोर्स के पायलटों को ट्रेनिंग देने के लिए वेल्स के वैली में शामिल हुए हैं। यह यूके में भारतीय एयरफोर्स की पहली तैनाती है। आईएएफ ने इस कदम को प्रोफेशनल एक्सीलेंस, इंटरऑपरेबिलिटी और भारत-यूके के बीच मजबूत रिश्तों के लिए हमारी साझा प्रतिबद्धता को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम बताया है।

एकेडमी में ट्रेनर बने भारतीय वायुसेना के 3 पायलट

इस टीम की अगुवाई स्क्वाड्रन लीडर रैंक के एक अधिकारी कर रहे हैं। भारतीय इंस्ट्रक्टर रॉयल पायलटों को एयरक्राफ्ट पर ट्रेनिंग देंगे। इस एयरक्राफ्ट का इस्तेमाल एयरफोर्स भी अपने फाइटर पायलटों की आखिरी ट्रेनिंग के लिए करती है। हॉक एडवांस्ड जेट ट्रेनर है। यह पायलटों की ट्रेनिंग का आखिरी चरण होता है जिसके बाद वे फ्रंटलाइन, भारी और तेज रफ्तार वाले मिशन के लिए तैयार हो जाते हैं।

लापता लड़की 7 महीने बाद ओटीपी से मिली

सरकारी योजना के लिए पति के नंबर से रजिस्ट्रेशन कराया था, पुलिस ने ट्रैक किया

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के बेंगलुरु में जनवरी से लापता 18 साल की छात्रा को पुलिस ने करीब 7 महीने बाद ओटीपी की मदद से खोज निकाला। वह 31 जनवरी को नाबालिग सहेली के साथ कॉलेज जाने का कहकर घर से निकली थी। दोनों मोबाइल फोन और सिमकार्ड घर पर छोड़ गई थीं। उनके पास सिर्फ आधार कार्ड और कॉलेज बैग था। काफी समय तक पुलिस को दोनों का कोई सुराग नहीं मिला। बाद में छात्रा ने आधार कार्ड से एक सरकारी स्वास्थ्य योजना के लिए आवेदन किया। इसमें उसने अपने पति का मोबाइल नंबर दिया था। आवेदन के दौरान इसी नंबर पर ओटीपी आया। सीआईडी ने नंबर को ट्रेस किया और छात्रा तक पहुंच गई। पुलिस के मुताबिक, छात्रा ने शादी कर ली है और वह गर्भवती है। हाईकोर्ट में पेश करने के बाद उसे माता-पिता को सौंप दिया गया।

- **31 जनवरी को सहेली के साथ घर से निकली थी-** तनिष्का बेंगलुरु के विद्यारण्यपुरा इलाके में परिवार के साथ रहती थी और बीए सेकेंड ईयर की छात्रा थी। 31 जनवरी को वह अपनी नाबालिग सहेली के साथ घर से निकली। दोनों ने परिवार से कॉलेज जाने की बात कही थी, लेकिन वापस नहीं लौटीं। पुलिस के मुताबिक, दोनों मोबाइल फोन और सिम कार्ड घर पर छोड़ गई थीं। वे सिर्फ आधार कार्ड और कॉलेज बैग लेकर निकली थीं। इससे उनकी लोकेशन पता करना मुश्किल हो गया।
- **दोस्तों को फोन कर बताया- हम पहाड़ियों पर हैं-** घर से निकलने के कुछ दिन बाद दोनों ने दोस्तों को फोन किया और बताया कि वे माले महादेश्वर हिल्स में हैं। उन्होंने करीब एक सप्ताह बाद फिर फोन करने की बात कही, लेकिन इसके बाद संपर्क नहीं हुआ। परिवार की शिकायत पर विद्यारण्यपुरा पुलिस ने गुमशुदगी का केस दर्ज किया। पुलिस ने 10 सदस्यों की टीम बनाकर 100 से ज्यादा जगहों पर तलाश की। सुराग नहीं मिलने पर परिवार हाईकोर्ट पहुंचा। अप्रैल में कर्नाटक हाईकोर्ट ने मामले की जांच सीआईडी को सौंप दी। सीआईडी ने दोनों के घर से निकलने और संभावित ठिकानों की जांच शुरू की।

पीए के घर छापे के बाद संकट में हरीश रावत

उत्तराखंड के पूर्व सीएम बोले-कांग्रेस के सारे पद छोड़ दूंगा

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने शनिवार को पार्टी के सभी पदों को छोड़ने की पेशकश की है। इसको लेकर रावत ने सोशल मीडिया पर लंबी पोस्ट लिखी है। रावत फिलहाल कांग्रेस प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य और कांग्रेस कार्यसमिति के स्थायी आमंत्रित सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है। ऐसे समय में मेरे किसी मामले से अगर पार्टी के संघर्ष को नुकसान पहुंचता है तो मैं ऐसा नहीं चाहूंगा। इसलिए मैं पार्टी में मिली दोनों जिम्मेदारियों से हटना चाहता हूं। 10 सितंबर को रावत के पूर्व ओएसडी के घर ईडी की रेड हुई थी।

यूपी चुनाव से पहले मायावती की 'सरप्राइज एंट्री'

अब भतीजी दीपिका आनंद संभालेंगी बीएसपी की कमान!

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजनीति में बहुजन समाज पार्टी के भीतर चल रहा राजनीतिक विवाद लगातार गहराता जा रहा है। बसपा प्रमुख मायावती ने पहले बड़े भतीजे आकाश आनंद पर भरोसा जताया। उन्हें राजनीतिक उत्तराधिकारी तक घोषित कर दिया। लेकिन, पिछले तीन वर्षों में तीन बार बसपा प्रमुख ने आकाश आनंद को तीन बार तमाम पदों से हटाया। दूसरी बार पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। दूसरे भतीजे ईशान आनंद को वह राजनीति में एंट्री दे चुकी हैं। उन्हें पार्टी में नॉर्थ इंडिया का प्रभारी बनाया गया। अब मायावती ने राजनीति उत्तराधिकारी के मसले पर स्थिति साफ कर दी है। उन्होंने साफ किया है कि उनके भाई आनंद कुमार के बेटों में किसी को अब बड़ी जिम्मेदारी नहीं मिलेगी। इस मामले में उन्होंने आनंद कुमार की इकलौती बेटी दीपिका आनंद के नाम का प्रस्ताव उनको राजनीतिक मदद के लिए दिया है। साथ ही, आनंद कुमार के बेटों के लिए नो-एंट्री की बात कही गई है। कुमारी दीपका आनंद बसपा प्रमुख मायावती की भतीजी और छोटे भाई आनंद कुमार की इकलौती बेटी हैं। आनंद कुमार बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय

उपाध्यक्ष हैं और उनकी गिनती पार्टी के ताकतवर नेताओं में से होती है। वह पर्दे के पीछे से हमेशा काम करने वाले नेता के तौर पर मायावती के साथ रहे। उनकी बेटी दीपिका आनंद को लेकर अब तक कोई चर्चा सामने नहीं आई थी।

संक्षिप्त समाचार

रामगढ़वा में कलवार समाज ने धूमधाम से की भगवान बलभद्र की पूजा

बीएनएम@ रामगढ़वा। रामगढ़वा में कलवार कल्याण पूजा समिति के तत्वावधान में प्रकाश मैरिज हॉल में भगवान बलभद्र की भव्य पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। धार्मिक अनुष्ठान को लेकर समाज के लोगों में खासा उत्साह रहा। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा स्थल पर पहुंचे और भगवान बलभद्र की आराधना कर सुख-समृद्धि की कामना की। पूजा के दौरान पूरा परिसर भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। श्रद्धालुओं की भीड़ और धार्मिक आयोजनों से क्षेत्र का वातावरण उत्सवी बना रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में पूजा समिति के अध्यक्ष अमित प्रकाश, कोषाध्यक्ष अमित गुप्ता और उपसचिव शिवम कुमार गुप्ता ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम में रामगढ़वा प्रखंड प्रमुख रीता देवी, प्रमुख प्रतिनिधि विशाल कुमार, अजय प्रसाद, पूर्व प्रमुख सुरेश प्रसाद, पूर्व मुखिया अर्जुन प्रसाद, लालू प्रसाद, आदित्य कुमार, रवि कुमार, ब्रजेश गुप्ता, राजेश डाबर और पैक्स अध्यक्ष रंजीत कुमार समेत कई लोग मौजूद रहे। उपस्थित लोगों ने भगवान बलभद्र की पूजा-अर्चना कर समाज की एकजुटता और सुख-समृद्धि की कामना की।

जदयू जिला कार्यकारिणी में जन्मेजय कुमार पटेल को मिली जिम्मेदारी

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चम्पारण जिला जदयू अध्यक्ष भरत पटेल ने अरेराज प्रखंड के मंगुराहां गांव निवासी एवं जिला नागरिक परिषद के सदस्य जन्मेजय कुमार पटेल (सरपंच) को पूर्वी चम्पारण जिला जदयू कार्यकारिणी का सदस्य मनोनीत किया है। जन्मेजय कुमार पटेल के जिला कार्यकारिणी सदस्य बनाए जाने पर जदयू विधायक दल के नेता सह जिला प्रभारी मंत्री श्रवण कुमार, विधायक शालिनी मिश्रा, विशाल कुमार शाह, विधान पार्षद प्रो. वीरेंद्र नारायण यादव, डॉ. खालिद अनवर, पूर्व मंत्री वीरेंद्र सिंह कुशवाहा, पूर्व विधायक मोहम्मद ओबैदुल्लाह, रजिया खातून, शिवजी राय, पूर्व विधान पार्षद सतीश कुमार, पूर्व जिलाध्यक्ष मंजू देवी, प्रो. दिनेश चंद्र प्रसाद, रतन सिंह पटेल सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

3 दिन से लापता युवक का जलाशय में मिला शव, 8 सितंबर से गायब था रौशन

हाजीपुर। हाजीपुर के लालगंज थाना क्षेत्र के पचदमिया वार्ड संख्या-2 में तीन दिन से लापता 25 वर्षीय रौशन कुमार का शव शनिवार को जलाशय से बरामद किया गया। शव मिलने की सूचना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रौशन कुमार, अरुण साह के बेटे थे। परिजनों के अनुसार, रौशन मानसिक रूप से बीमार थे। 8 सितंबर की शाम वह घर से निकले थे। देर रात तक वापस नहीं लौटने पर परिवार ने उनकी तलाश शुरू की। अगले दिन लालगंज थाने में उनके लापता होने की सूचना दी गई। पुलिस ने केस दर्ज कर खोजबीन शुरू की, लेकिन रौशन का पता नहीं चल सका। शनिवार को परिजन और ग्रामीण रौशन की तलाश कर रहे थे। इसी दौरान मनोज सिंह के घर के पीछे बसबारी स्थित जलाशय में उनका शव दिखाई दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को जलाशय से बाहर निकाला। लालगंज सदर एसडीपीओ-2 गोपाल मंडल ने बताया कि घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल टीम को बुलाया गया था। टीम ने जरूरी साक्ष्य एकत्र किए, जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। एसडीपीओ ने बताया कि फिलहाल मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस मामले की सभी संभावित पहलुओं से जांच कर रही है। ग्रामीणों के मुताबिक जलाशय काफी बड़ा और गहरा है। आशंका जताई जा रही है कि पैर फिसलने के कारण रौशन जलाशय में गिर गए और डूबने से उनकी मौत हो गई। हालांकि पुलिस ने इस आशंका की पुष्टि नहीं की है। रौशन की मौत के बाद परिवार ने प्रशासन से आर्थिक सहायता की मांग की है। अधिकारियों का कहना है कि लिखित आवेदन मिलने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

अज्ञात वाहन ने 7वीं के छात्र को रौंदा, मौत, स्कूल से लौटते समय हुआ हादसा, आरोपी की पहचान में जुटी पुलिस

हाजीपुर। वैशाली में अज्ञात वाहन की टक्कर से 7वीं की छात्र की मौत हो गई है। घटना जंदाहा थाना क्षेत्र में समता कॉलेज के पास हुई। मृतक की पहचान जंदाहा थाना क्षेत्र के अरनिया गांव निवासी मनीष राय के बेटे अभिराज कुमार(11) के रूप में हुई है। छात्र स्कूल से घर लौट रहा था। इसी दौरान एक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि छात्र ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही जंदाहा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने जरूरी कागजी कार्रवाई पूरी की और शव को पोस्टमार्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक के मामा सुमन्त कुमार ने बताया कि अभिराज सातवीं कक्षा में पढ़ता था। वह अपने दो भाई और दो बहनों में शामिल था। इस हादसे के बाद परिवार में गहरा मातम पसरा है। पुलिस अज्ञात वाहन और उसके चालक की पहचान करने में जुटी है। हादसे से जुड़े आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी जांची जा सकती है।

शटर का ताला काटकर कपड़ा दुकान में चोरी, 25 हजार कैश समेत 4.5 लाख के कपड़े ले गए चोर

हाजीपुर। बिदुपुर के हाजीपुर मार्ग पर पानापुर चौक के पास दिव्यांश वस्त्रालय में गुरुवार रात चोरों ने शटर का ताला काटकर चोरी की। चोर दुकान से 25 हजार रुपए नकद और करीब साढ़े चार लाख रुपए के कपड़े ले गए। घटना का पता शुक्रवार सुबह दुकानदार अमन के दुकान पहुंचने पर चला। दुकान खोलने पहुंचे अमन ने देखा कि शटर का ताला कटा हुआ था। अंदर जाने पर दुकान का सामान बिखरा हुआ मिला। कई कीमती कपड़े और गल्ले में रखे 25 हजार रुपए गायब थे। इसके बाद अमन ने स्थानीय लोगों और पुलिस को घटना की जानकारी दी। चोरी की इस घटना के बाद आसपास के दुकानदारों और स्थानीय लोगों में नाराजगी है। लोगों ने इलाके में बढ़ते नशे के चलन को लेकर भी चिंता जताई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पानापुर चौक स्थित सरकारी स्कूल के पास नशीले पदार्थों की बिक्री की जानकारी पहले भी प्रशासन को दी जा चुकी है। लोगों का कहना है कि नशे के आदी युवकों की गतिविधियों पर रोक नहीं लगने से चोरी समेत दूसरे अपराधों का खतरा बढ़ रहा है। स्थानीय लोगों ने पुलिस से दुकान में हुई चोरी की जांच कर जल्द से जल्द चोरों को पकड़ने की मांग की है। साथ ही इलाके में नशीले पदार्थों के धंधे पर भी कड़ी कार्रवाई करने की मांग की गई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखकर चोरों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

वैशाली में 72 किग्रा गांजा के साथ 5 तस्कर गिरफ्तार:नेपाल से पटना ले जा रहे थे खेप, 2 कार जब्त

हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 72 किलो 240 ग्राम गांजा बरामद हुआ है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 20 लाख रुपए है। पुलिस के अनुसार, तस्कर गांजे की यह खेप नेपाल से मुजफ्फरपुर के रास्ते पटना ले जा रहे थे। भगवानपुर थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दो लग्जरी गाड़ियों से मादक पदार्थ की एक बड़ी खेप मुजफ्फरपुर से हाजीपुर लाई जा रही है। इस सूचना पर पुलिस ने एनएच-22 पर अड्डा चौक के पास घेराबंदी कर गाड़ियों की जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने एक स्विफ्ट डिजायर कार और एक ब्लैक स्कॉर्पियो को रोका। तलाशी लेने पर दोनों गाड़ियों से कुल 72 किलो 240 ग्राम गांजा मिला। पुलिस ने मौके से दोनों गाड़ियों में सवार पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। ग्रामीण एसपी सोनू कुमार राय ने बताया कि गिरफ्तार सभी आरोपी पटना जिले के रहने वाले हैं।

जदयू के जिला उपाध्यक्ष बने लालबाबू सिंह, बधाई देने वालों का लगा तांता

बीएनएम@ पताही

जनता दल यूनाइटेड (जदयू) पूर्वी चंपारण के जिलाध्यक्ष भरत पटेल ने पताही प्रखंड क्षेत्र निवासी लालबाबू सिंह को पार्टी का जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। उनके मनोनयन की खबर मिलते ही पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। जिला उपाध्यक्ष बनाए जाने के बाद लालबाबू सिंह को बधाई देने वालों का तांता लग गया। जिलाध्यक्ष की ओर से जारी मनोनयन पत्र में कहा गया है कि लालबाबू सिंह की कार्यकुशलता, पार्टी के प्रति सक्रिय निष्ठा एवं समर्पण को देखते हुए प्रदेश अध्यक्ष के स्तर से अनुमोदन प्राप्त होने के बाद उन्हें जिला उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया है। मनोनयन के बाद पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि वे संगठन को मजबूत करने और पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। नई जिम्मेदारी मिलने पर लालबाबू सिंह ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने जिस विश्वास और भरोसे के साथ उन्हें जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है, उसके लिए वे जिलाध्यक्ष भरत पटेल एवं प्रदेश नेतृत्व के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि वे पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता के रूप में पूरी निष्ठा, ईमानदारी और सक्रियता के साथ अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे। संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना, कार्यकर्ताओं को एकजुट रखना और पार्टी की नीतियों एवं सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के मान-सम्मान और जनता से निरंतर संवाद के साथ वे संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। लालबाबू सिंह के मनोनयन पर जदयू नेताओं, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि उनके अनुभव और सक्रियता से पूर्वी चंपारण में पार्टी संगठन को और मजबूती मिलेगी।

दवा मंडी में पिस्टल लेकर घूम रहा युवक गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

♦ शराब तस्कर समझकर पकड़ी पुलिस, एक पिस्टल-दो मैगजीन भी मिलीं, बेचने जाने का शक

पटना के पीरबहोर थाना क्षेत्र के जीएम रोड स्थित दवा मंडी से पुलिस ने 26 वर्षीय युवक को पिस्टल और दो मैगजीन के साथ गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान राहुल कुमार के तौर पर हुई है, जो पटना के ही मुसल्लम पुर हाट का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार, सादे लिबास में टीम शराब तस्कर को पकड़ने के लिए जाल बिछाकर इलाके में निगरानी कर रही थी। इसी दौरान पुलिस की नजर राहुल पर पड़ी। वह पिस्टल लेकर वहां से गुजर रहा था। पुलिस ने शक के आधार पर राहुल को रोका और उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से एक पिस्टल और दो मैगजीन बरामद हुईं। पुलिस ने हथियार और दोनों मैगजीन जब्त कर ली हैं।

पुलिस के अनुसार, बरामद पिस्टल पर 'Made in USA', 'Made in Italy' और 'Made in China' लिखा हुआ है। हथियार की वास्तविक उत्पत्ति और उसकी वैधता की भी जांच की जा रही है।

बोला- प्रफुल्ल पैलेस के डिस्ट्रीब्यूटर के यहां करता है काम: पूछताछ में राहुल ने पुलिस को बताया कि वह प्रफुल्ल पैलेस स्थित कमल डिस्ट्रीब्यूटर के यहां काम करता है। उसने पुलिस को यह भी बताया कि पिस्टल उसके भाई राजा ने उसे दी थी। पुलिस अब राहुल के भाई राजा की भूमिका की भी जांच कर रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि उसके पास हथियार कहां से आया और उसने राहुल को क्यों दिया। पुलिस को आशंका है कि राहुल पिस्टल को बेचने के लिए लेकर जा रहा था। हालांकि, इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है।

पटना के 4 मंजिला गेस्ट हाउस में सेक्स रैकेट

एजेंसी, पटना

❐ 4 युवतियां और एक युवक धराए, कमरे से आपत्तिजनक सामान भी बरामद

पटना में एक गेस्ट हाउस में सेक्स रैकेट पुलिस ने पकड़ा है। गणपति गेस्ट हाउस G+4 है। सभी फ्लोर पर सेक्स रैकेट चल रहा था। सूचना पर पटना पुलिस और SSP सेल की SIU टीम ने छापेमारी की। यहां से 4 युवती और 1 युवक पकड़ा गया है। कंडोम जैसे आपत्तिजनक सामान भी मिले हैं। 2 IPS रैंक के अधिकारियों ने गेस्ट हाउस को सर्च किया। पकड़े गए युवक और युवतियों को पुलिस राजीव नगर थाने पर ले गई है। वहां उनसे पूछताछ की जाएगी।

वहीं, कार्रवाई के दौरान गेस्ट हाउस के कर्मी और ऑनर फरार हो गए। इनके साथ कुछ युवक भी पीछे के दरवाजे से भाग गए है। मामला राजीवनगर थाना क्षेत्र के घुड़दौड़ का है।

6 महीने से संगिग्ध गतिविधियां चल रही थी: SDPO-2 लॉ एंड ऑर्डर सुषमा सागर ने कहा कि पिछले लगभग 6 महीने से यहां संदिग्ध गतिविधियां चल रही थी। 2 महीने से SIU की टीम रंगे हाथ पकड़ने के फिराक में थी। आज सूचना मिली कि गेस्ट हाउस के कमरे में कुछ युवक और युवतियां मौजूद हैं।

इसी सूचना के आधार पर SIU की टीम पहुंचीं। ग्राउंड फ्लोर से 4th फ्लोर तक सर्च किया गया। जिसमें अलग-अलग कमरे से आपत्तिजनक स्थिति में युवतियां और एक युवक पकड़े गए। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि गेस्ट हाउस में यह गतिविधि कब से चल रही थी और इसमें कौन-कौन लोग शामिल हैं।

बालगंगा में टेंट हाउस में भीषण अगलगी, 10 लाख का सामान जलकर राख

मोटरसाइकिल, जेनरेटर, साउंड सिस्टम समेत टेंट का पूरा सामान खाक; राजस्व कर्मचारी ने की जांच

बीएनएम@ तुरकौलिया

शहर से सटे नगर निगम के वार्ड नंबर 29 स्थित बालगंगा में शुक्रवार देर रात चांदनी टेंट हाउस में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और टेंट हाउस में रखा पूरा सामान जलकर राख हो गया। आग की लपटें उठते देख आसपास के इलाके में अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पाने का प्रयास करते हुए अग्निशमन विभाग को सूचना दी। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक टेंट हाउस में रखा अधिकांश सामान जलकर नष्ट हो चुका था। टेंट हाउस संचालक विनय कुमार मांझी ने बताया कि देर रात अचानक टेंट हाउस में आग लगी। कुछ ही देर में आग इतनी तेजी से फैली कि सामान बाहर निकालने का मौका तक नहीं मिला। अगलगी में मोटरसाइकिल, जेनरेटर, साउंड सिस्टम, पंखा समेत टेंट हाउस का अन्य सामान जल गया। संचालक ने करीब 10 लाख रुपये की संपत्ति के नुकसान का अनुमान जताया है। प्रथमदृष्टया आग लगने का कारण बिजली का शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हालांकि, आग लगने की वास्तविक वजह की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। घटना के बाद पीड़ित परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। इधर, राजस्व कर्मचारी ने घटनास्थल पर पहुंचकर क्षति का जायजा लिया और जांच रिपोर्ट अंचल कार्यालय को भेज दी है। सीओ प्रभात कुमार ने बताया कि राजस्व कर्मचारी की रिपोर्ट के आधार पर पीड़ित परिवार को नियमानुसार मुआवजा राशि दी जाएगी।

'मोदी मंदिर में चार द्वारपालों की चांदी की मूर्तियां लगेंगी'

एजेंसी, पटना

♦ पूर्वी द्वार पर अमित शाह-उत्तरी पर चिराग, कद के बराबर पीएम की सोने की प्रतिमा भी होगी

बिहार में प्रस्तावित भगवान नरेंद्र मोदी के भव्य मंदिर को लेकर किन्नर समुदाय के नेता ने बड़ा ऐलान किया है। ट्रांसजेंडर डॉ. राजन सिंह ने कहा कि मंदिर में 4 द्वारपाल की मूर्तियां लगेंगी। जो चांदी की रहेंगी। पूर्वी द्वार पर नरेंद्र मोदी के भक्त अमित शाह, पश्चिमी द्वार पर योगी आदित्यनाथ, उत्तरी द्वार पर चिराग पासवान और दक्षिणी द्वार पर बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की मूर्ति लगाने की बात कही हैं। उनका कहना है कि इन नेताओं ने किन्नर समुदाय के लिए काम किया है और मंदिर निर्माण के अभियान में समर्थन दिया है।

किन्नर समुदाय के नेता ने दावा किया कि बिहार में भगवान नरेंद्र मोदी का भव्य मंदिर बनाने के लिए पहले ही 112 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत हो चुकी है। करीब 5 एकड़ जमीन में बनने वाले इस मंदिर में नरेंद्र मोदी की उनके कद के बराबर सोने की प्रतिमा स्थापित करने की योजना है। मंदिर का प्रस्ताव पहले ही पास हो चुका है। दावा किया कि सीएम सम्राट ने 2 दिन पहले परियोजना को लेकर सहमति जताई है। हालांकि, दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं है।

डॉ. राजन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के दिन 17 सितंबर को बिहार में हर घर के बाहर एक दीप जलाने की बात मुख्यमंत्री की ओर से कही गई है। यह आयोजन मंदिर निर्माण के अभियान की शुरुआत के तौर पर किया जाएगा। उन्होंने नरेंद्र मोदी को भगवान श्रीराम का अवतार बताते हुए कहा कि इस बार उनके जन्मदिन पर दीप जलाकर मंदिर निर्माण के संकल्प को आगे बढ़ाया जाएगा।

'राहुल गांधी के लोगों ने मेरे खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की': मंदिर निर्माण का विरोध करने वाले किन्नर समुदाय से जुड़े लोगों को लेकर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी। डॉ. राजन सिंह ने कहा कि विरोध करने वाले हमारे समुदाय के लोग नहीं हैं। राहुल गांधी की पार्टी से जुड़े लोगों ने मेरे खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की और बदनाम करने की कोशिश की। किन्नर समुदाय का आज कोई जनप्रतिनिधि नहीं है, इसलिए मेरे खिलाफ इस तरह के षडयंत्र किए जा रहे हैं।

तेज प्रताप को फोन कर जान से मारने की धमकी

एजेंसी, पटना

बिहार के पूर्व मंत्री और जनशक्ति जनता दल (JJD) के नेता तेज प्रताप यादव ने एक मोबाइल नंबर से खुद को और उनकी पार्टी से जुड़े लोगों को धमकी दिए जाने का गंभीर आरोप लगाया है। तेज प्रताप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा है कि मोबाइल नंबर 7520322647 से उन्हें और उनके साथ जुड़े कई लोगों को कथित तौर पर धमकाया और ब्लैकमेल किया जा रहा है। उन्होंने सरकार और प्रशासन से इस मामले की तत्काल और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। तेज प्रताप के मुताबिक, पूरा मामला 2 सितंबर 2026 को दोपहर करीब 3:11 बजे शुरू हुआ। इस दौरान उनके निजी मोबाइल नंबर पर 7520322647 से फोन आया। फोन करने वाले अज्ञात व्यक्ति ने खुद को एक प्रतिष्ठित मीडिया संस्थान का प्रतिनिधि बताया। बातचीत शुरू होने के तुरंत बाद फोन करने वाले ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। इसके साथ ही उनके एक कथित निजी वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर उनसे भारी रकम की मांग की गई। तेज प्रताप ने इसे रंगदारी और ब्लैकमेलिंग का गंभीर मामला बताया है। तेज प्रताप ने कहा कि वह इस मोबाइल नंबर को लेकर पहले भी सार्वजनिक रूप से अपनी बात रख चुके हैं।

पूर्व सैनिकों के लिए शुरू होगा मैनेजमेंट कोर्स, 12वीं पास को मिलेगा दाखिला

एजेंसी, पटना

पटना यूनिवर्सिटी में आज छात्र संगठनों के धरना-प्रदर्शन और घेराव के बीच सिंडिकेट की बैठक ऑनलाइन मोड में हुई। छात्र आंदोलन को देखते हुए प्रशासनिक कामकाज प्रभावित न हो, इसके लिए बैठक वर्चुअली आयोजित की गई। बैठक में पूर्व सैनिकों को उच्च शिक्षा और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने से जुड़ा अहम निर्णय लिया गया। पूर्व सैनिकों के लिए 6 महीने के स्पेशल कोर्स को मंजूरी मिली। सिंडिकेट ने 12वीं पास पूर्व सैनिकों के लिए 'बैचलर ऑफ आर्ट इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट' (HRM) पाठ्यक्रम शुरू करने को मंजूरी दी।

राजभवन की पहल पर प्रस्ताव: राजभवन की पहल पर सेवानिवृत्त सैनिकों को डिग्री प्रदान करने के लिए यह प्रस्ताव लाया गया था। कोर्स पूरा करने के बाद उन्हें डिग्री दी जाएगी, जिसका उपयोग वे आगे की पढ़ाई, रोजगार और कॉरपोरेट सेक्टर में कर सकेंगे।

सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति पर अगली बैठक में निर्णय: विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति सहित कई अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर निर्णय अगली ऑफलाइन सिंडिकेट बैठक में लिया जाएगा। पर्यावरण विज्ञान विषय में बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग से अनुशंसित सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति के अंतिम अनुमोदन पर भी विचार होगा। इसके अलावा शिक्षकों और कर्मचारियों के अवैतनिक अवकाश से जुड़े आवेदनों की समीक्षा की जाएगी। कुलपति सह सिंडिकेट अध्यक्ष की अनुमति से विश्वविद्यालय के लंबित विकास कार्यों और अन्य नीतिगत प्रस्तावों पर भी चर्चा होगी।

राजद की नई कमिटी के लिए तेजस्वी का मंथन जारी

एजेंसी, पटना

राजद संगठन को मजबूत करने और सामाजिक समीकरण को बनाए रखने के लिए तेजस्वी यादव हर दिन अलग-अलग जिलों के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर रहे हैं। तेजस्वी यादव, राजद की नई कमेटी के गठन की कवायद के तहत तेजस्वी यादव अलग-अलग जिलों के कार्यकर्ताओं के साथ राजद कार्यालय में बैठक कर रहे हैं। राजद के सभी जिलों के जिलाध्यक्षों की नियुक्ति के लिए हर जिले से चार-चार नाम लिए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि सबसे सक्रिय और समर्पित कार्यकर्ता को ही जिला अध्यक्ष बनाया जाएगा। इसी कड़ी में आज तेजस्वी, भोजपुर और नवादा जिले के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर रहे हैं। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल भी मौजूद हैं। अभी नवादा जिले के कार्यकर्ताओं के साथ तेजस्वी की बैठक चल रही है। उसके बाद वे भोजपुर जिले के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे।

जिलाध्यक्ष के लिए 55 साल से कम उम्र की शर्त: आरजेडी को युवाओं की पार्टी बनाने के लिए तेजस्वी यादव ने बड़ा निर्देश जारी करते हुए यह तय कर दिया है कि जिला अध्यक्ष वही बनेगा, जिसकी उम्र 55 साल से कम हो। इसके साथ ही यह भी कहा है कि जो जिला अध्यक्ष बनेगा, वह विधानसभा का चुनाव नहीं लड़ेगा। इतना ही नहीं जो दो बार जिला अध्यक्ष रह चुका है, उसे फिर से जिला अध्यक्ष नहीं बनाया जाएगा। हालांकि, अच्छे काम करने वालों को प्रमोशन देकर बड़ा पद दिया जाएगा

मजबूत स्तंभ हर जिलों में खड़ा करेंगे तेजस्वी- शक्ति यादव: आरजेडी प्रवक्ता शक्ति यादव ने कहा, 'राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव जी 31 अगस्त से जिलाध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर लगातार बैठक कर रहे हैं। पार्टी की विचारधारा, जन सरोकार और जन उद्देश्य का संगठन स्थापित हो। चाहे वो वार्ड हो, बूथ हो या पंचायत हो। प्रखंड, जिला से लेकर राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में तेजस्वी जी काम कर रहे हैं।'

हमारे नेता का जो भी आह्वान होगा, वह सर्वमान्य है- बीरबल यादव: भोजपुर जिला अध्यक्ष बीरबल यादव ने कहा, 'पार्टी और संगठन को ताकतवर बनाने के लिए पूरे बिहार के सभी जिलों से राजद कार्यकर्ताओं से विचार विमर्श किया जाएगा। संगठन का निचले स्तर तक मजबूत बनाने के लिए हमारे नेता तेजस्वी जी ने यह बैठक बुलाया है। जिलाध्यक्षों को बदलने के सवाल पर उन्होंने कहा, 'इस पर तो विचार विमर्श होगा। उसके बाद हमारे नेता का जो भी आह्वान होगा, वह सर्वमान्य है।'

संक्षिप्त समाचार

मिशन अन्नपूर्णा रसोई में 400 से अधिक कांवरियों व जरूरतमंदों को कराया भोजन

बीएनएम@ मोतिहारी। बापूधाम मोतिहारी रेलवे स्टेशन पर मिशन अन्नपूर्णा रसोई की ओर से जरूरतमंदों के बीच निःशुल्क भोजन वितरण सेवा के 227वें सप्ताह का आयोजन किया गया। इस दौरान बोल बम कांवरियों और महिलाओं की अप्रत्याशित भीड़ उमड़ी। रसोई के सेवकों ने 400 से अधिक पुरुषों एवं महिलाओं के बीच चावल, सब्जी, सलाद, चिप्स, पापड़ के साथ मुड़ी-घुघनी का वितरण किया। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि अन्नपूर्णा रसोई के सभी सेवकों ने वितरण किए जाने वाले भोजन को स्वयं भी खाकर लोगों को यह संदेश दिया कि जो भोजन हम दूसरों को खिलाते हैं, वही स्वयं भी खाते हैं। भोजन वितरण में सेवा सहयोगी के रूप में सीता देवी ओंकारनाथ जालान सेवा संस्थान के विनोद जालान, राजेंद्र जालान, सामाजिक कार्यकर्ता राम भजन, रजनीकांत सिंह, आनंद कुमार, चंद्रशेखर प्रसाद, श्रीभगवान, रविंद्र कुमार, रामचंद्र शाह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सादे लिबास में वसूली कर रहे दो सिपाहियों को ग्रामीणों ने पकड़ा, प्राथमिकी दर्ज

जांच के नाम पर 500 से 5000 रुपये मांगने का आरोप, खाते में पैसा डलवाने का साक्ष्य मिलने का दावा

बीएनएम@ मोतिहारी/तुरकौलिया। रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के जगदीश चौक पर वाहन और शराब जांच के नाम पर कथित वसूली कर रहे दो सिपाहियों को ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। दोनों पर सादे लिबास में लोगों को डरा-धमकाकर रुपये मांगने का आरोप है। ग्रामीणों के अनुसार, पिछले सात-आठ दिनों से कथित वसूली का यह खेल चल रहा था। इससे दुकानदारों, राहगीरों और आसपास के ग्रामीणों में नाराजगी थी। शुक्रवार की शाम दोनों सिपाही जगदीश चौक पर जांच कर रहे थे। इसी दौरान एक व्यक्ति को कथित तौर पर डराकर रुपये मांगने की बात सामने आने पर आसपास के लोग जुट गए। भीड़ ने दोनों को पकड़ लिया और उनके साथ मारपीट भी की। इसी दौरान किसी ने घटना का वीडियो बना लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर प्रसारित होने लगा। सूचना मिलने पर डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और दोनों सिपाहियों को भीड़ से निकालकर सुरक्षित थाने पहुंचाया। घटना की जानकारी मिलते ही एसडीपीओ दिलीप कुमार के साथ नगर थाना और रघुनाथपुर थाना की पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस की जांच में भी दोनों पर लगाए गए आरोपों से जुड़े तथ्य सामने आने की बात कही गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी के निर्देश पर दोनों सिपाहियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है। आरोपित सिपाहियों की पहचान जिला बल के राजीव कुमार और आशीष कुमार के रूप में हुई है। दोनों नगर थाना के बाइक सेल में प्रतिनियुक्त बताए जा रहे हैं।

खाते में रुपये डलवाने का साक्ष्य मिलने का दावा- एसडीपीओ दिलीप कुमार ने बताया कि आठ सितंबर को भी बाइक जांच के नाम पर एक युवक को रोका गया था। उससे रुपये की मांग किए जाने का आरोप है। इसी दौरान वहां मौजूद वार्ड पार्षद प्रतिनिधि राकेश सिंह ने राजीव कुमार की पत्नी के बैंक खाते में रुपये डाले थे। एसडीपीओ के अनुसार, जांच के दौरान खाते में रुपये डलवाए जाने से संबंधित साक्ष्य भी पुलिस को मिले हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि जांच के बाद लोगों से 500 से 5000 रुपये तक की मांग की जाती थी। रुपये देने से इनकार करने वालों के साथ गाली-गलौज और धमकी देने की बात भी कही जा रही है। लगातार कई दिनों से चल रही कथित वसूली से मजूराहा गांव सहित आसपास के लोग परेशान थे। एसडीपीओ ने कहा कि यदि आठ सितंबर की घटना की जानकारी उसी समय पुलिस को मिल जाती तो संभव है कि दोनों सिपाहियों के खिलाफ पहले ही कार्रवाई हो जाती। मामले में पुलिस सभी आरोपों और मिले साक्ष्यों की जांच कर रही है।

वैदिक मंत्रों और राष्ट्र निर्माण के संदेश से गूंजा आर्य समाज परिसर

शताब्दी समारोह के दूसरे दिन भव्य देव यज्ञ, विद्वानों ने वैदिक जीवन-पद्धति अपनाने का किया आह्वान

बीएनएम@ मोतिहारी

नगर के छतौनी स्थित आर्य समाज मोतिहारी के शताब्दी समारोह-2026 के दूसरे दिन शनिवार को आर्य समाज मंदिर परिसर में भव्य देव यज्ञ का आयोजन किया गया। प्रातः आठ बजे दिल्ली से पधारे प्रसिद्ध वैदिक विद्वान डॉ. ओमव्रत शास्त्री के आचार्यत्व में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यज्ञ का शुभारंभ हुआ। इस दौरान पूरा परिसर वेद मंत्रों, भजनों और राष्ट्र निर्माण के संदेश से गूंज उठा। यज्ञ के दौरान जीविका आर्या, नैन्सी आर्या, आराध्या आर्या, अपर्णा आर्या और शालिनी आर्या समेत अन्य कन्याओं ने सस्वर वेदपाठ किया। कन्याओं के शुद्ध एवं मधुर वैदिक मंत्रोच्चार से वातावरण आध्यात्मिक और भक्तिमय हो गया। यज्ञ में उपस्थित श्रद्धालुओं ने आहुति देकर राष्ट्र, समाज और विश्व के कल्याण की मंगलकामना की। वहीं यज्ञ के महत्व पर प्रकाश डालते हुए डॉ. ओमव्रत शास्त्री ने कहा कि यज्ञ महज धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि वैदिक जीवन-पद्धति का महत्वपूर्ण आधार है। इसका संबंध व्यक्ति के दैनिक जीवन के साथ-साथ सामाजिक जीवन से भी है। उन्होंने कहा कि जब तक यज्ञ और वैदिक संस्कार जीवन का अभिन्न अंग नहीं बनेंगे, तब तक राष्ट्र निर्माण में हमारा योगदान पूर्ण नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पूरा विश्व पर्यावरण प्रदूषण से उत्पन्न गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे समय में यज्ञ की वैज्ञानिक, पर्यावरणीय और सामाजिक उपयोगिता और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। सहारनपुर से पहुंचीं भजनोपदेशिका आचार्या संगीता आर्या ने अपने सुमधुर भजनों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। उन्होंने भजनों के माध्यम से लोगों को ईश्वर से जुड़ने, सदाचार अपनाने और श्रेष्ठ जीवन जीने का संदेश दिया। वहीं, सहारनपुर से आए भजनोपदेशक आचार्य प्रताप वैदिक ने ओजपूर्ण भजनों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के लिए जनसमुदाय का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि हम राष्ट्र का कल्याण चाहते हैं तो महर्षि दयानंद सरस्वती के विचारों को अपने जीवन में उतारना होगा। वैदिक विचारधारा समाज में जागृति और राष्ट्र में नवचेतना का आधार बन सकती है। शताब्दी समारोह में विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में आर्य समाज के कार्यकर्ता और श्रद्धालु पहुंचे। स्वर्गीय जगत नारायण आर्य के नाती मुखिया सुभाष कुमार आर्य सहित श्री आर्य, डॉ. कमलेश आर्य, उपेंद्र कुमार आर्य, अमर कुमार, अनीता देवी आर्या, रंजना देवी आर्या, प्रतिभा देवी आर्या, मीरा देवी आर्या और सुशीला देवी आर्या समेत अन्य लोग उपस्थित रहे। ढाका से सुबोध बिहारी आर्य सहित आर्य समाज के कार्यकर्ता पहुंचे। नेपाल से अनिल आर्य, घोड़ासहन से प्रेमचंद आर्य सहित विभिन्न स्थानों से आए प्रतिनिधियों ने समारोह में सहभागिता की और आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया। देव यज्ञ में मुख्य यजमान के रूप में आर्य समाज लौरिया के शंभू शिवानी आर्य अपनी धर्मपत्नी स्वास्ति आर्या के साथ शामिल हुए। द्वितीय यजमान के रूप में आर्य समाज नरकटियागंज के मंत्री राजेश कुमार अपनी धर्मपत्नी के साथ उपस्थित रहे। आर्य समाज मोतिहारी की पूर्व मंत्री डॉ. मनीषा प्रसाद आर्या भी यजमान के रूप में शामिल हुईं और उन्होंने श्रद्धापूर्वक यज्ञ में आहुति दी। कार्यक्रम में आर्य समाज मोतिहारी के प्रधान धर्मवर्धन प्रसाद आर्य, मंत्री देवेशचन्द्र आर्य, कोषाध्यक्ष राकेश कुमार आर्य, उपप्रधान विनोद कुमार आर्य, उपप्रधान राजवल्लभ प्रसाद आर्य, जिला सभा के प्रधान महंथ प्रसाद आर्य तथा आर्य समाज मोतिहारी के पुरोहित अवधेश आर्य सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और श्रद्धालु मौजूद रहे। वैदिक मंगलकामना और यज्ञ की पूर्णाहुति के साथ प्रातःकालीन सत्र का समापन हुआ। वेद मंत्रों की गूंज, यज्ञ की पवित्र अग्नि, सुमधुर भजनों और राष्ट्र निर्माण के संदेशों ने शताब्दी समारोह के दूसरे दिन को वैदिक चेतना और उत्साह से भर दिया।

सीमावर्ती गांव बिजबनी में सशस्त्र सीमा बल ने लगाया निःशुल्क चिकित्सा शिविर

बीएनएम@ मोतिहारी

» 116 ग्रामीणों की हुई स्वास्थ्य जांच, दवाओं का भी किया गया निःशुल्क वितरण

जीवंत गांव योजना-द्वितीय के तहत 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, मोतिहारी की एफ समवाय अठमोहन द्वारा शनिवार को सीमावर्ती गांव बिजबनी में ग्रामीणों के लिए निःशुल्क मानव चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन वाहिनी के कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार के निर्देशन में किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्र के ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ नियमित स्वास्थ्य जांच के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। शिविर के दौरान 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के चिकित्साधिकारी डॉ. सुजीत कुमार ने गांव के 116 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की। जांच के बाद ग्रामीणों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया तथा चिकित्सकीय सलाह के अनुसार जरूरी दवाओं का निःशुल्क वितरण किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने, संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेने तथा श्री अन्न (मोटे अनाज) के सेवन के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही व्यक्तिगत स्वच्छता एवं आसपास के वातावरण को साफ रखने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी गई। ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या की स्थिति में समय पर चिकित्सकीय सलाह लेने के लिए भी प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में ग्राम बिजबनी के मुखिया जंगबहादुर चौरसिया एवं सरपंच भरत प्रसाद चौरसिया सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे। सशस्त्र सीमा बल की ओर से प्रमोद कुमार, निरीक्षक (सामान्य), अमित कुमार सहित अन्य बल कार्मिकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। चिकित्सा शिविर सौहार्दपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। ग्रामीणों ने सशस्त्र सीमा बल की इस जनकल्याणकारी पहल की सराहना करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं और जागरूकता के क्षेत्र में किए जा रहे ऐसे आयोजनों के लिए बल के प्रति आभार व्यक्त किया।

लोक अदालत में टूटा निपटारे का रिकॉर्ड, 2,743 ट्रैफिक चालान समेत हजारों मामले निपटे

बीएनएम@ मोतिहारी

राष्ट्रीय लोक अदालत में शनिवार को मामलों के निपटारे का रिकॉर्ड बना। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में आयोजित वर्ष 2026 की तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत में न्यायालयीन, प्री-लिटिगेशन, ट्रैफिक चालान और बैंक से जुड़े हजारों मामलों का आपसी सहमति से निपटारा किया गया। विभिन्न मामलों में करोड़ों रुपये की राशि का समझौता और वसूली हुई। सबसे अधिक ट्रैफिक चालान और बैंक से जुड़े मामलों में पक्षकारों को राहत मिली। जिले में लोक अदालत के लिए 32 पीठों का गठन किया गया था। इनमें पांच विशेष पीठों पर ट्रैफिक चालान से जुड़े मामलों का निपटारा किया गया। न्यायालयीन मामलों में 1,739 पोस्ट-लिटिगेशन प्रकरणों का निष्पादन हुआ। इनमें करीब 20.35 लाख रुपये की राशि का समझौता हुआ। वहीं 1,688 प्री-लिटिगेशन मामलों में 8.27 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का समझौता एवं वसूली की गई। बीएसएनएल से जुड़े 55 मामलों का भी निपटारा किया गया। ट्रैफिक चालान के मामलों में भी बड़ी संख्या में निपटारा हुआ। कुल 2,743 चालान मामलों का निष्पादन करते हुए करीब 36 लाख रुपये की राशि जमा कराई गई। विभिन्न बैंकों से संबंधित दो हजार से अधिक ऋण वसूली मामलों में करीब 8.50 करोड़ रुपये की राशि पर समझौता एवं वसूली हुई।

32 पीठों में हुई मामलों की सुनवाई- राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्घाटन प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय इसरार अहमद की अध्यक्षता में हुआ। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश-2 विद्या प्रसाद, जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव और जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव नितिन त्रिपाठी समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

इस दौरान अतिथियों ने कहा कि लोक अदालत त्वरित, सुलभ और सौहार्दपूर्ण न्याय का प्रभावी माध्यम है। आपसी सहमति से विवादों का निपटारा होने से पक्षकारों के समय और धन की बचत होती है। साथ ही न्यायालयों पर लंबित मामलों का बोझ भी कम होता है। DLSA सचिव नितिन त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत में हुआ व्यापक निष्पादन इसकी प्रभावी कार्यप्रणाली को दर्शाता है। उन्होंने सफल आयोजन के लिए न्यायिक पदाधिकारियों, अधिवक्ताओं, पैनल अधिवक्ताओं, पीएलवी, बैंक अधिकारियों, पुलिस, परिवहन विभाग और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों-कर्मियों के साथ पक्षकारों के प्रति आभार जताया।

एक सप्ताह में लंबित आवासों की स्वीकृति कराएं : डीडीसी

बीएनएम@ मोतिहारी

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लंबित आवासों की स्वीकृति और निर्माण कार्य में तेजी लाने का निर्देश डीडीसी डॉ. प्रदीप कुमार ने दिया है। वे शनिवार को समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद सभागार में प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न ग्रामीण आवास योजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) 2024-25 एवं 2025-26 के तहत जिले में 1,06,349 के लक्ष्य के विरुद्ध 1,06,290 आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं। 59 आवासों की स्वीकृति अभी लंबित है। इनमें कल्याणपुर के 12, रामगढ़वा के 10 और मधुबन के आठ आवास शामिल हैं। डीडीसी ने सभी बीडीओ को एक सप्ताह के अंदर नियमानुसार शत-प्रतिशत आवासों की स्वीकृति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। रिमांड योग्य मामलों में तत्काल नियमानुसार रिमांड कराने को कहा। समीक्षा में सामने आया कि योजना के तहत 48,801 लाभुकों को तीसरी किस्त का भुगतान किया जा चुका है। इनमें 36,297 आवास पूर्ण हो चुके हैं, जबकि 12,504 आवास अभी अधूरे हैं। ढाका में 1,133, चिरैया में 984 और छौड़ादानो में 816 आवास तीसरी किस्त मिलने के बाद भी अपूर्ण हैं। डीडीसी ने बीडीओ को तीसरी किस्त प्राप्त लाभुकों को 90 कार्य दिवस की मनरेगा मजदूरी उपलब्ध कराते हुए आवास निर्माण पूरा कराने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत SNA SPARSH के माध्यम से प्राप्त राशि के विरुद्ध जिले में 82.25 फीसदी राशि का भुगतान किया गया है। मेहसी में 64.70, सुगौली में 65.69 और मधुबन में 68.82 फीसदी भुगतान हुआ है। वहीं घोड़ासहन प्रखंड में प्राप्त आवंटन का शत-प्रतिशत खर्च कर लिया गया है। डीडीसी ने शेष बीडीओ को भी प्राप्त राशि के विरुद्ध शत-प्रतिशत भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना (2018-19 से 2025-26) के तहत 2,203 के लक्ष्य के विरुद्ध 2,035 आवास पूर्ण हो चुके हैं। 168 आवास लंबित हैं। चिरैया में 15, कोटवा और मेहसी में 13-13 आवास लंबित हैं। वहीं मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास सहायता योजना (2023-24 से 2025-26) के तहत 2,890 के लक्ष्य के विरुद्ध 2,840 आवास पूर्ण हो चुके हैं और 50 लंबित हैं। आदापुर, रामगढ़वा और रक्सौल में लंबित आवासों की संख्या अधिक है। डीडीसी ने सभी लंबित आवासों को नियमानुसार जल्द पूरा कराने का निर्देश दिया।

एलएनडी कॉलेज में बीएड प्रशिक्षुओं ने मनाया फ्रेशर डे

बीएनएम@ मोतिहारी

» नवागंतुक प्रशिक्षुओं का हुआ उत्साहपूर्ण स्वागत, शिक्षकों ने नियमित अध्ययन व कर्तव्यनिष्ठा का दिया संदेश

शहर स्थित लक्ष्मी नारायण दुबे महाविद्यालय के विवेकानंद सभागार में बीएड विभाग के तत्वावधान में फ्रेशर डे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार, हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रभाकर कुमार, राजनीतिशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. कृष्ण कुमार कृष्ण, बीएड विभागाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार राय एवं प्रशाखा पदाधिकारी राजीव कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम के दौरान सत्र 2025-27 के प्रशिक्षुओं ने सत्र 2026-28 के नवागंतुक प्रशिक्षुओं का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। इस अवसर पर शिक्षकों ने नवागंतुक प्रशिक्षुओं को बेहतर भविष्य के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया। इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार ने प्रशिक्षुओं को नियमित रूप से कक्षा में उपस्थित रहने तथा अध्ययन के प्रति गंभीर रहने की सलाह दी। डॉ. कृष्ण कुमार कृष्ण ने कहा कि सोशल मीडिया से जुड़े रहने के साथ-साथ पुस्तकीय ज्ञान अर्जित करना भी आवश्यक है। हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रभाकर कुमार ने प्रशिक्षुओं के कार्यों की सराहना करते हुए शिक्षक के रूप में अपने दायित्वों को समझने और उनका ईमानदारी से निर्वहन करने का सुझाव दिया। प्रशाखा पदाधिकारी राजीव कुमार ने नवागंतुक प्रशिक्षुओं को आशीर्वचन देते हुए उन्हें कर्तव्यपथ पर निरंतर आगे बढ़ने की शुभकामना दी। वहीं, बीएड विभागाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार राय ने विभाग की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए आगामी कार्ययोजना से प्रशिक्षुओं को अवगत कराया। कार्यक्रम में बीएड विभाग के डॉ. मधुलिका कुमारी, डॉ. मधुबाला मौर्या, प्रो. जलेश्वर कुमार, प्रियरंजन झा, डॉ. जयंती झा, सहायक रवि रंजन, सनी, प्रभाकर, रजनीश सहित प्रशिक्षु अमृतेश, रिशु, विवेक, विश्वजीत, अपूर्व केशव, आनंद आदि उपस्थित रहे।

टाटा टिस्कॉन के 'इंजीनियरिंग उत्कृष्टता पुरस्कार' से सम्मानित हुए इंजीनियर सुमित कुमार

बीएनएम@ निरज आनंद

मोतिहारी। टाटा टिस्कॉन की ओर से आयोजित वार्षिक अभियंता सम्मान समारोह में पूर्वी चम्पारण के प्रतिभाशाली सिविल इंजीनियर सुमित कुमार को इंजीनियरिंग क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन, नवाचार, तकनीकी दक्षता और कार्य के प्रति असाधारण समर्पण के लिए प्रतिष्ठित 'इंजीनियरिंग उत्कृष्टता पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान वित्तीय वर्ष 2025-26 में 'सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनकर्ता' के रूप में प्रदान किया गया। यह सम्मान समारोह वाराणसी स्थित ओम विलास में आयोजित किया गया, जिसमें देशभर से बड़ी संख्या में अनुभवी अभियंताओं ने भाग लिया। समारोह में इंजिनियर सुमित कुमार को उनकी उल्लेखनीय कार्यक्षमता और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। सम्मान के रूप में प्रदान की गई ट्रॉफी पर अंकित संदेश "नवाचार को पहचान, समर्पण को सम्मान और सशक्त भविष्य का निर्माण" उनकी कार्यशैली और पेशेवर प्रतिबद्धता की भावना को बखूबी अभिव्यक्त करता है। यह सम्मान सुमित कुमार के लिए केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि उनकी मेहनत, लगन, अनुशासन, तकनीकी दक्षता और कार्य के प्रति निरंतर समर्पण की पहचान है। उन्होंने अपनी कार्यकुशलता और तकनीकी समझ के बल पर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। जटिल तकनीकी चुनौतियों का व्यावहारिक सोच के साथ सामना करते हुए प्रभावी समाधान प्रस्तुत करने की उनकी क्षमता उन्हें अपने क्षेत्र के अन्य पेशेवरों से अलग पहचान दिलाती है। गुणवत्ता को प्राथमिकता देना, नई तकनीकों को अपनाना और प्रत्येक कार्य को बेहतर ढंग से पूरा करने की निरंतर कोशिश उनकी कार्यशैली की प्रमुख विशेषताएं हैं। यही समर्पण और उत्कृष्टता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता आज उन्हें इस प्रतिष्ठित सम्मान तक लेकर पहुंची है। इंजीनियर सुमित कुमार की यह उपलब्धि पूर्वी चम्पारण के लिए भी गौरव का विषय मानी जा रही है। क्षेत्र के एक युवा अभियंता के रूप में उनकी सफलता उन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है, जो तकनीकी और पेशेवर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा, मेहनत और लगन के बल पर नई ऊंचाइयां हासिल करना चाहते हैं। उनका यह सम्मान युवा पीढ़ी को यह संदेश देता है कि निरंतर परिश्रम, अनुशासन, तकनीकी दक्षता और नवाचार के माध्यम से उत्कृष्टता के नए मानदंड स्थापित किए जा सकते हैं। वहीं बॉर्डर न्यूज़ मिरर से वार्तालाप करते इंजिनियर सुमित कुमार ने कहा कि यह सम्मान मेरी मेहनत, लगन और समयबद्ध गुणवत्तापूर्ण कार्य का परिणाम है। नई तकनीकों व डिजिटल टूल्स को अपनाकर मैंने कार्य की गुणवत्ता और उत्पादकता बढ़ाई। युवाओं को मेरी सलाह है कि मेहनत के साथ तकनीकी ज्ञान बढ़ाएँ और नई तकनीकें सीखते रहें सफलता अवश्य मिलेगी। 'सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनकर्ता' के सम्मान से नवाजे जाने पर इंजीनियर सुमित कुमार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नागपुर के सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग में सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्यरत सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. धीरेंद्र कुमार सहित उनके सहकर्मियों, शुभचिंतकों और क्षेत्रवासियों ने बधाई दी। सभी ने उनकी उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता उनकी मेहनत, लगन, कार्यनिष्ठा और उत्कृष्टता के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता का परिणाम है। शुभचिंतकों ने विश्वास जताया कि सुमित कुमार भविष्य में भी अपनी तकनीकी प्रतिभा, नवाचार और समर्पण के माध्यम से इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेंगे तथा अपने कार्यों से पूर्वी चम्पारण का नाम और अधिक रोशन करेंगे। उन्होंने उनके उज्ज्वल, सफल और गौरवपूर्ण भविष्य की कामना की। सुमित कुमार ने इस सम्मान के लिए टाटा टिस्कॉन की पूरी टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि उन्हें भविष्य में और बेहतर कार्य करने तथा तकनीकी क्षेत्र में निरंतर नवाचार के लिए प्रेरित करेगी।

टीबी मरीजों को पोषण किट वितरित, जनभागीदारी से टीबी मुक्त भारत अभियान को मिली गति

बीएनएम@ मोतिहारी

- **150 मरीजों के बीच फूड बास्केट का वितरण**
- **नियमित उपचार के साथ पोषण को बताया गया जरूरी**
- **निक्षय मित्र बनकर सहयोग करने की सक्षम लोगों से अपील**

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान को जनभागीदारी के माध्यम से मजबूत करने के उद्देश्य से शनिवार को भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी, मोतिहारी परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जिले के 150 टीबी मरीजों के बीच पोषण आहार किट (फूड बास्केट) का वितरण किया गया। रेड क्रॉस सोसायटी द्वारा मरीजों को छह माह तक प्रत्येक माह पोषण आहार उपलब्ध कराने की पहल की गई है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी के कार्यकारी अध्यक्ष -सह- अपर समाहर्ता (लोक शिकायत निवारण), पूर्वी चंपारण शैलेंद्र कुमार भारती ने कहा कि टीबी उन्मूलन के लिए समय पर स्क्रीनिंग और नियमित उपचार बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि पौष्टिक आहार भी टीबी मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मौके पर नगर निगम के उप मेयर लाल बाबू प्रसाद, सिसवा पंचायत की मुखिया तान्या प्रवीण, रेड क्रॉस सोसायटी के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अशोक कुमार, प्रधान सहायक रूपक वर्मा, लैब टेक्नीशियन रणजीत कुमार श्रीवास्तव, सुजीत कुमार, सहायक मोतीलाल पासवान, सुरेश चौधरी सहित अन्य उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

टावर का सामान चोरी करने वाले दो चोर गिरफ्तार, ऑटो समेत लाखों के उपकरण बरामद

बीएनएम@ रामगढ़वा। भेलाही थाना क्षेत्र के पुरंदरा गांव स्थित टावर चौक के समीप टावर में इस्तेमाल होने वाली सामग्री चोरी करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी का तार, फाइबर मशीन किट, पंप मोटर, चार्जर समेत अन्य कीमती उपकरण बरामद किए हैं। चोरी में इस्तेमाल किए गए तीन पहिया ऑटो को भी जब्त किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रामगढ़वा थाना क्षेत्र के दुबौलिया मुर्गिया टोला वार्ड संख्या एक निवासी नौशाद आलम, अजीजुल हक के पुत्र तथा पश्चिमी चंपारण के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पांडेय टोला बेतिया निवासी अजीत कुमार, नंदलाल कुशवाहा के पुत्र के रूप में हुई है। भेलाही थानाध्यक्ष गौरव कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने परसवा कचोरवा गांव में कार्रवाई कर दोनों को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उनके पास से टावर से चोरी किए गए विभिन्न उपकरण बरामद किए गए। चोरी में प्रयुक्त ऑटो को भी जब्त कर लिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले में शामिल अन्य आरोपितों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। गिरफ्तार दोनों आरोपितों से पूछताछ के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

हरसिद्धि में वारंटियों के खिलाफ छापेमारी, चार गिरफ्तार

बीएनएम@ हरसिद्धि। थाना क्षेत्र में वारंटियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत हरसिद्धि पुलिस ने अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर चार वारंटियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों को आवश्यक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश करने के लिए भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, टीआर नंबर 2170/26 में घोघराहा बैरियाडीह निवासी नरेश साहनी, पिता अनूप साहनी और विशाल सहनी, पिता उमेश साहनी को गिरफ्तार किया गया। वहीं टीआर नंबर 995/25 के वारंटी मटियारिया पिपरा निवासी अमर साह, पिता स्व. बरुण साह को पकड़ा गया। इसके अलावा टीआर नंबर 1863/26 में हंसुआहा निवासी अंजू देवी, पति राजेंद्र कुमार की गिरफ्तारी हुई। पुलिस ने चारों वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में उपस्थापन के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि न्यायालय से जारी वारंट के निष्पादन को लेकर लगातार छापेमारी की जा रही है और फरार वारंटियों के खिलाफ भी कार्रवाई जारी रहेगी।

अरेराज के राजकीय मध्य विद्यालय झाखरा में 'सुरक्षित शनिवार' का आयोजन, पौधारोपण कर दिया गया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बीएनएम@ अरेराज। प्रखंड क्षेत्र स्थित राजकीय मध्य विद्यालय झाखरा में 'सुरक्षित शनिवार' कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत उत्साह और चेतना के साथ संपन्न हुआ। विद्यालय के शिक्षक संतोष कुमार तिवारी के कुशल नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को सड़क एवं रेल दुर्घटनाओं से बचाव के प्रति जागरूक करना और 'विद्यालय हरियाली' अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना रहा। जागरूकता सत्र के दौरान शिक्षक संतोष कुमार तिवारी ने ब्लैकबोर्ड के माध्यम से बच्चों को सड़क तथा रेल यातायात के सुरक्षा नियमों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को सड़क पार करते समय दोनों तरफ देखने, यातायात संकेतों का पालन करने और हमेशा बाईं ओर चलने की सीख दी। इसके साथ ही बंद रेलवे फाटक पार न करने, पटरियों से उचित दूरी बनाए रखने और चलती ट्रेन में चढ़ने या उतरने से बचने के प्रति सचेत किया। उन्होंने बताया कि दैनिक जीवन में सतर्कता और जागरूकता ही दुर्घटनाओं से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। सुरक्षा सत्र के उपरांत विद्यालय परिसर में 'विद्यालय हरियाली' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिक्षक के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने मिलकर विद्यालय प्रांगण में विभिन्न पौधे लगाए और पौधों में जल अर्पित कर उनकी नियमित देखभाल और सुरक्षा करने का संकल्प लिया। इस गतिविधि से बच्चों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति सकारात्मक भावना का विकास हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षक संतोष कुमार तिवारी ने कहा कि बच्चों में कम उम्र से ही जीवन सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण की आदत डालना आवश्यक है। 'सुरक्षित शनिवार' जैसे आयोजन बच्चों को एक जिम्मेदार नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका बीणा देवी, शिक्षक मुन्ना कुमार जायसवाल, श्रीलाल साह, शारदा कुमारी, उषा कुमारी, बच्ची कुमारी, शकीर हुसैन, धनजीत कुमार तथा छात्र-छात्राओं में विशाल कुमार, मीठी कुमारी, साक्षी कुमारी सहित कई बच्चे उपस्थित रहे।

डकैती कांड का सफल उद्भेदन करने वाली पुलिस टीम सम्मानित

एसपी स्वर्ण प्रभात ने पुलिस अधिकारियों व जवानों को दिया 25 हजार रुपये का नकद पुरस्कार, बढ़ाया मनोबल

बीएनएम@ सिकरहना

अनुमंडल क्षेत्र में हुई डकैती की घटना का सफल उद्भेदन कर वारदात में शामिल शातिर अपराधियों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम को शुक्रवार को एसपी स्वर्ण प्रभात ने सम्मानित किया। मामले के त्वरित उद्भेदन और अपराधियों तक पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों की संयुक्त टीम को एसपी ने 25 हजार रुपये का नकद पुरस्कार देकर उनके उत्कृष्ट कार्य की सराहना की। सम्मान पाने वालों में ढाका थानाध्यक्ष राजरूप राय, चिरैया के पूर्व थानाध्यक्ष अम्बेश कुमार, घोड़ासहन थानाध्यक्ष अमरजीत कुमार तथा कुंडवा चैनपुर के पूर्व थानाध्यक्ष राहुल कुमार सहित कई पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी शामिल हैं। बताया जाता है कि सिकरहना अनुमंडल क्षेत्र में डकैती की घटना के बाद अपराधियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित कर मामले की जांच शुरू की गई। टीम ने लगातार कार्रवाई करते हुए तकनीकी अनुसंधान और पारंपरिक पुलिसिया जांच के माध्यम से कांड से जुड़े अपराधियों की पहचान की और अंततः उन्हें गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। पुलिस टीम की इस कार्रवाई को अपराध नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। मामले के सफल उद्भेदन से जहां पुलिस की कार्यशैली की सराहना हो रही है, वहीं शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी से क्षेत्र में पुलिस के प्रति लोगों का भरोसा भी मजबूत हुआ है। इस अवसर पर एसपी स्वर्ण प्रभात ने बेहतर कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि गंभीर आपराधिक मामलों के त्वरित उद्भेदन, अपराधियों की गिरफ्तारी और प्रभावी पुलिसिंग में उत्कृष्ट भूमिका निभाने वाले पुलिसकर्मियों को लगातार प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ाने के लिए बेहतर कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाना जरूरी है। एसपी द्वारा नकद पुरस्कार एवं सम्मान दिए जाने के बाद पुलिस महकमे में उत्साह का माहौल है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वरिष्ठ अधिकारियों से मिलने वाला सम्मान और प्रोत्साहन उन्हें और अधिक जिम्मेदारी, तत्परता एवं बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है। डकैती कांड के सफल उद्भेदन में टीम की भूमिका को देखते हुए मिला यह सम्मान पुलिसकर्मियों के मनोबल को बढ़ाने वाला साबित होगा।

नवनियुक्त पताही थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार ने संभाला पदभार

बीएनएम@ पकड़ीदयाल

जिहुली दोहरे हत्याकांड में पुलिस कार्रवाई को लेकर उठे सवालों के बीच पताही थाना के नए थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार ने पदभार संभाल लिया। पूर्व थानाध्यक्ष बबन कुमार को मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में एसपी स्वर्ण प्रभात ने निलंबित कर दिया था। निलंबन के बाद उन्हें पुलिस लाइन भेज दिया गया है। मामले में विभागीय कार्रवाई भी शुरू की गई है। पताही थाना क्षेत्र के जिहुली गांव में दो गुटों के बीच हुए विवाद के दौरान चाकूबाजी में एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई थी। घटना के बाद पुलिस की कार्यशैली और मामले में कथित लापरवाही को लेकर सवाल उठे थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी ने कार्रवाई करते हुए तत्कालीन थानाध्यक्ष बबन कुमार को निलंबित कर दिया। नए थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार के सामने जिहुली हत्याकांड के आरोपितों की गिरफ्तारी, मामले की निष्पक्ष जांच और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखना बड़ी चुनौती होगी। पदभार संभालने के बाद पुलिस के सामने लंबित मामलों में कार्रवाई तेज करने के साथ क्षेत्र में अपराध पर अंकुश लगाने की भी चुनौती रहेगी। पुलिस विभाग की इस कार्रवाई से स्पष्ट है कि गंभीर आपराधिक मामलों की जांच और कार्रवाई में पुलिस अधिकारियों की भूमिका को लेकर विभाग गंभीर है। लापरवाही सामने आने पर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई का संदेश भी इस कार्रवाई से गया है।

सड़क किनारे मिला नवजात का शव, कुत्ते नोच रहे थे; एफएसएल ने जुटाए साक्ष्य

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलेगा मौत का राज

बीएनएम@ तुरकौलिया

मुख्य चौक के समीप अस्पताल रोड में शनिवार को सड़क किनारे नवजात शिशु का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, शव को कुत्ते नोच रहे थे। राहगीरों की नजर पड़ने के बाद मौके पर भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची तुरकौलिया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। जांच का मुख्य बिंदु यह पता लगाना है कि नवजात का शव सड़क किनारे कौन छोड़कर गया। प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि नवजात की मौत के बाद शव को यहां लाकर फेंका गया है। हालांकि, नवजात की मौत कैसे हुई और शव यहां किसने पहुंचाया, इसका खुलासा अभी नहीं हो सका है।

निजी क्लिनिकों पर उठे सवाल, पुलिस ने नहीं की पुष्टि- घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने आसपास संचालित कुछ निजी क्लिनिकों को लेकर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों ने क्षेत्र में अवैध गर्भपात की चर्चाओं का भी जिक्र किया है। हालांकि, पुलिस ने नवजात के शव को अवैध गर्भपात से जोड़ने की फिलहाल पुष्टि नहीं की है। पुलिस सभी संभावित बिंदुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। थानाध्यक्ष रंजीत कुमार ने बताया कि नवजात के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट होने की उम्मीद है। रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अरेराज में अवैध अस्पताल पर चला प्रशासन का डंडा, 'मां लक्ष्मी अस्पताल' सील

» एसडीएम-डीएसपी की संयुक्त छापेमारी, वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर कार्रवाई; अवैध क्लीनिकों पर आगे भी चलेगा अभियान

बीएनएम@ अरेराज

गोविंदगंज थाना क्षेत्र के नवादा ढाला स्थित 'मां लक्ष्मी अस्पताल' पर शनिवार को प्रशासन ने छापेमारी कर उसे सील कर दिया। एसडीएम सुजीत कुमार और डीएसपी कुमारी प्रियंका के नेतृत्व में पहुंची संयुक्त टीम ने अस्पताल के संचालन से संबंधित दस्तावेजों की जांच की। संचालक वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद प्रशासन ने अस्पताल को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान औषधि निरीक्षक, पिपरा पीएचसी प्रभारी डॉ. राहुल पाठक और गोविंदगंज थाना के एसआई बहादुर राम पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। टीम ने अस्पताल के संचालन, उपलब्ध सुविधाओं और संबंधित कागजात की जांच की। अधिकारियों के अनुसार, अस्पताल का संचालन निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया और आवश्यक वैध दस्तावेज भी प्रस्तुत नहीं किए गए। प्रशासन की अचानक हुई कार्रवाई से आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना वैध दस्तावेज और निर्धारित मानकों के संचालित स्वास्थ्य संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। एसडीएम और डीएसपी के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई को क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित क्लीनिकों पर प्रशासन की सख्ती के तौर पर देखा जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे संस्थानों की जांच आगे भी की जाएगी और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई होगी।

एमवीएम कॉलेज में नए विद्यार्थियों का स्वागत, फ्रेशर्स कार्यक्रम में दिखा उत्साह

शैक्षणिक सफर को यादगार बनाने के साथ व्यक्तित्व विकास पर जोर

बीएनएम@ रक्सौल/बीरगंज

ममता विद्या मंदिर (एमवीएम) कॉलेज, बीरगंज में बीबीए तथा एमबीए कार्यक्रम के कक्षा 11 में नवदाखिल विद्यार्थियों के स्वागत के लिए 'फ्रेशर्स एंड वेलकम कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। बीरगंज टाउन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में बैच 2083 के नए विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रमुख अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने पानस में दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान नए विद्यार्थियों का कॉलेज परिवार में औपचारिक स्वागत किया गया। साथ ही विद्यार्थियों के बीच आपसी परिचय, आत्मीयता और सहयोग की भावना विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां एवं प्रस्तुतियां आयोजित की गईं। कॉलेज के मैनेजिंग डायरेक्टर विश्वास प्रताप ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य नए विद्यार्थियों को कॉलेज परिवार और शैक्षणिक वातावरण से सहज रूप से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ रचनात्मक एवं अतिरिक्त गतिविधियों में विद्यार्थियों की भागीदारी पर भी कॉलेज विशेष ध्यान दे रहा है, ताकि उनका सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास हो सके। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को अध्ययन प्रणाली, कॉलेज के शैक्षणिक वातावरण और विभिन्न अतिरिक्त गतिविधियों की जानकारी दी गई। नए विद्यार्थियों ने सहपाठियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं और कॉलेज परिवार के अन्य सदस्यों से परिचित होकर अपने नए शैक्षणिक सफर की शुरुआत की। एमवीएम कॉलेज के संस्थापक शम्भु प्रसाद गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में न्यायाधीश नवल किशोर यादव प्रमुख अतिथि तथा कॉलेज की संस्थापिका ममता गुप्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। एन-पैब्सन पर्सा के अध्यक्ष जियालाल गुप्ता, नेपाली युवा उद्यमी मंच (एनवाईईएफ) वीरगंज चैप्टर के अध्यक्ष चन्दन सिंह, मैनेजिंग डायरेक्टर विश्वास प्रताप सहित विभिन्न क्षेत्र के अतिथि, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी मौजूद रहे। कॉलेज प्रबंधन ने बताया कि आगामी दिनों में विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के साथ नेतृत्व क्षमता, रचनात्मकता और व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रमों का आयोजन जारी रखा जाएगा।

रामगढ़वा अंचल में जनता दरबार से तीन पुराने मामलों का निष्पादन

बीएनएम@ रामगढ़वा

रामगढ़वा अंचल कार्यालय में आयोजित जनता दरबार में लंबित मामलों के निष्पादन को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तेजी देखने को मिली। सीओ अमित कुमार की पहल पर आयोजित जनता दरबार में पूर्व से लंबित आवेदनों में से तीन मामलों का निष्पादन किया गया। जनता दरबार में लोगों की समस्याएं सुनने के साथ संबंधित मामलों की जांच और कार्रवाई की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया। अधिकारियों ने लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन पर जोर दिया। इस दौरान नाजीर सुधीर कुमार और अंचलकर्मी अशोक कुमार ने भी मामलों के निष्पादन में सक्रिय भूमिका निभाई। जनता दरबार में तीन नए आवेदन भी प्राप्त हुए। सीओ अमित कुमार ने आवेदकों को भरोसा दिलाया कि प्राप्त आवेदनों की जांच कर नियमानुसार जल्द निष्पादन किया जाएगा। अंचल कार्यालय में जनता दरबार के माध्यम से पुराने मामलों के निपटारे और नए आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई की पहल से लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है।

नहर किनारे छिपाकर रखी 180 लीटर चुलाई शराब बरामद, बाइक से भी अंग्रेजी शराब मिली

बीएनएम@ हरसिद्धि

शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में हरसिद्धि थाना पुलिस ने दामोवृति बम नहर के पास छापेमारी कर 211.86 लीटर शराब बरामद की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक मोटरसाइकिल पर रखी अंग्रेजी शराब के साथ नहर किनारे पांच अलग-अलग बोरों में छिपाकर रखी देशी चुलाई शराब जब्त की। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि छापेमारी के दौरान बाइक से 8 पीएम फ्रूटी की 35 पीस और ऑफिसर्स चॉइस फ्रूटी की 142 पीस बरामद हुई। दोनों ब्रांड की अंग्रेजी शराब की कुल मात्रा 31.86 लीटर है। वहीं, नहर के किनारे पांच अलग-अलग बोरों में प्लास्टिक की पन्नियों में तीन-तीन लीटर की 60 पैकिंग में रखी कुल 180 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद की गई। थानाध्यक्ष ने बताया कि शराब कारोबार में संलिप्त दो कारोबारियों को चिह्नित किया गया है। दोनों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस शराब के इस कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की भी जानकारी जुटा रही है।

रक्सौल आईसीपी पहुंचे भारतीय राजदूत, सीमा व्यापार को सुगम बनाने पर जोर

भारत-नेपाल आर्थिक संबंधों को मजबूत करने पर हुई चर्चा, अधिकारियों व व्यापारिक हितधारकों से लिया फीडबैक

बीएनएम@ रक्सौल

नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने शनिवार को रक्सौल सीमा शुल्क एकीकृत जांच चौकी (आईसीपी) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भारत-नेपाल सीमा पर व्यापारिक गतिविधियों को और अधिक सुगम, प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाने पर जोर दिया। आईसीपी परिसर में पौधरोपण कर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। आईसीपी पहुंचने पर रक्सौल सीमा शुल्क के सहायक आयुक्त प्रदीप कुमार ने पुष्पगुच्छ देकर राजदूत नवीन श्रीवास्तव का स्वागत किया। इसके बाद राजदूत ने आईसीपी के मुख्य भवन में आयोजित बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में भारत-नेपाल सीमा पर व्यापार से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारियों, प्रतिनिधियों एवं अन्य हितधारकों के साथ संवाद किया गया। बैठक में सीमा व्यापार को सुगम बनाने, आवागमन एवं व्यापारिक प्रक्रियाओं को प्रभावी करने तथा दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने कहा कि भारत और नेपाल के बीच व्यापारिक संबंध दोनों देशों की आर्थिक प्रगति के साथ-साथ आपसी संबंधों को भी मजबूती प्रदान करते हैं। उन्होंने सीमा के दोनों ओर व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ काम करने की आवश्यकता पर बल दिया। मौके पर महावाणिज्यदूत देवी सहाय मीना, वाणिज्यदूत मनीष दास, रक्सौल सीमा शुल्क के सहायक आयुक्त प्रदीप कुमार, इमिग्रेशन अधिकारी अजीत कुमार, एसएसबी के कार्यवाहक कमांडेंट संजय रावत, डिप्टी कमांडेंट नवीन कुमार, सहायक कमांडेंट अमरीश चौबे, सीमा शुल्क विभाग के अधीक्षक मुकेश कुमार भारद्वाज व आदर्श कुमार समेत आईसीपी के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में नेपाल के प्रतिनिधियों के अलावा सीमा व्यापार से जुड़े अन्य हितधारकों ने भी भाग लिया।

आर्थिक कदम भी दंत-विहीन

सैन्य विकल्प समाप्त हो जाने के बाद अमेरिका अब आर्थिक दबाव के जरिए वह हासिल करने की कोशिश कर रहा है, जो सैन्य बल से संभव नहीं हुआ। लेकिन आर्थिक कदम भी दंत-विहीन ही हैं। अमेरिका ने ईरान को दुनिया में पराया बना देने के बड़े इरादे के साथ 'ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्टÓ का एलान किया। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने धमकी दी कि अब ईरान से किसी भी प्रकार का आर्थिक संबंध रखने वाले देशों और कंपनियों को डॉलर सिस्टम से बाहर कर दिया जाएगा। लेकिन जब प्रतिबंधों की सूची जारी की गई, तो ऐसा नहीं लगा कि अमेरिका सचमुच अपने एलान को हकीकत में बदलने में सक्षम है। इसमें भारत की चार कंपनियों सहित लगभग 60 व्यक्तियों, संस्थाओं और कंपनियों को शामिल किया गया, लेकिन चीन की किसी वित्तीय संस्था को निशाना नहीं बनाया गया। इस बारे में पूछने पर बेसेंट ने कहा- वैश्विक वित्तीय प्रणाली को मैं क्यों उड़ा डालना चाहूंगा? मतलब साफ है। अमेरिका की राय है कि चीनी बैंकों पर प्रतिबंध लगाने से पूरी वित्तीय प्रणाली संकटग्रस्त हो सकती है। जबकि चीन ही ईरान का सबसे बड़ा तेल खरीदार है। वह ईरान में बड़ा निवेशक भी है। अतः चीन को रोके बिना अमेरिकी प्रतिबंध दिखावटी दांत बन कर रह जाएंगे। चीनी विदेश मंत्रालय ने ताजा अमेरिकी प्रतिबंध को यह कहते हुए ठुकरा दिया है कि यह अंतराष्ट्रीय कानून एवं संयुक्त राष्ट्र के दायरे से बाहर है। उसने कहा कि चीन अपने हितों की मजबूती से रक्षा करेगा। तो फिर अमेरिकी प्रतिबंध से कौन प्रभावित होगा? रूस पहले से ही सबसे अत्यधिक प्रतिबंधित देश है, इसलिए उस पर नई पाबंदियों का नगण्य असर होना है। दरअसल, प्रतिबंधों की घोषणा के बाद रूस ने ईरान से 25 बिलियन डॉलर का परमाणु समझौता करने का एलान कर दिया।

ऐसे में स्पष्ट है कि अमेरिकी कदम का दबाव सिर्फ खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका/ इजराइल के कुछ सहयोगी देश ही महसूस करेंगे, जो ईरान के लिए किसी गंभीर चिंता का विषय नहीं हैं। इसीलिए विश्लेषकों ने ये राय जताई है कि ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट असल में यह स्वीकारोक्ति है कि अमेरिका के पास सैन्य विकल्प समाप्त हो चुके हैं। इसलिए अमेरिका अब आर्थिक दबाव के जरिए वह हासिल करने की कोशिश कर रहा है, जो सैन्य बल से संभव नहीं हुआ। लेकिन आर्थिक कदम भी दंत-विहीन ही हैं।

सत्ता चौबीसों घंटे चलते रंगमंच में बदल गई

हरिशंकर व्यास

तो अगले एक महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे-मोहरे का अखिल भारतीय प्रोपेगेंडा होगा। हां, सप्ताह में खबर थी कि मोदी ने भाजपा संगठन, नेताओं, मंत्रियों को सात सितंबर से सात अक्टूबर के बीच पच्चीस साला मोदी पावर की इवेंट के कार्यक्रमों का खाका बनवाया है। मतलब मोदी का जन्मदिन (17 सितंबर) उत्सव, सेवा सप्ताह, सेवा पखवाड़ा, रक्तदान शिविर, मोदी के कामों पर सेमिनार और व्याख्यान आदि-आदि। इसी के लिए दिल्ली में ब्रिक्स बैठक का आयोजन भी है। रूस के पुतिन, चीन के शी जिनपिंग, ईरान के राष्ट्रपति, बांग्लादेश के प्रधानमंत्री सहित 21 देशों के नेताओं को भारत ने न्योता दिया है। ये आएंगे भी क्योंकि जब दुनिया पुतिन, मसूद पेज़ेशकियान के गले लगने को तैयार नहीं तो दिल्ली मेंलालकालीन स्वागत, फोटोशूट का मौका कोई क्यों चूके। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी उज्बेकिस्तान जाएंगे और उसके बाद किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में भी शामिल होंगे।

ध्यान रहे इन दोनों संगठनों को पश्चिमी देश, अमेरिका चीन का हितधारक मानते हैं। नवंबर में जी-20 की अमेरिका मेजबानी करेगा और डोनाल्ड ट्रंप आए दिन ब्रिक्स के खिलाफ बोलते रहते हैं। पर मोदी के लिए विश्व राजनीति की दिशा-दशा, भारत, उसकी विदेश नीति के दीर्घकालीन हितों का कोई अर्थ नहीं है। उनका मात्र उद्देश्य दुनिया के नेताओं से गले लगने, लगाने और ट्रंप-शी जिनपिंग, पुतिन आदि के साथ फोटो खिंचाने का होता है ताकि भक्त हिंदू उन्हें विश्व नेता की तरह पूजते रहें। और समय-अवसर क्योंकि 25 साला सत्ता का धूमधड़ाका बनाने का है तो विश्व नेताओं के साथ फोटोशूट तो सोने में सुहागा है।

सोचें, मोदी से पहले 1947 से 2014 तक के हर प्रधानमंत्री पर? क्या नेहरू, वाजपेयी, डॉ. मनमोहन सिंह किसी ने भी जनता को उल्लू बनाने के लिए ऐसा कोई तमाशा किया कि वे इतने-इतने साल सत्ता में रहे तो कांग्रेस या भाजपा और सरकार उनकी महिमा में सेवा सप्ताह, सेवा पखवाड़ा, सेमिनार और व्याख्यान आयोजित करें! कैबिनेट के मंत्री, मुख्यमंत्री सभी प्रधानमंत्री की आरती उतारें, उनका प्रोपेगेंडा करें! तो मोदी ऐसा क्यों करते हैं? बकौल लालकृष्ण आडवाणी (अप्रैल 2014)- मैं नरेंद्र भाई को अपना चेला नहीं कहूंगा, लेकिन मैंने उनसे अधिक प्रतिभाशाली और कुशल इवेंट मैनेजर कभी नहीं देखा। भक्त मूर्ख जन भले न मानें लेकिन नरेंद्र मोदी की सत्ता के 25 साल (13 साल सीएम-12 साल पीएम) में एक-एक साल का, एक-एक महीने की सुर्खियों का हिसाब लगाएं तो 9,130 दिनों में लोगों को बहकाने, भाषण देने, झांकियां दिखाने, नए-नए वादे करने, इवेंट आयोजित करने का मोदी रिकॉर्ड ही निकलेगा। हां, नरेंद्र मोदी ने भारत को सचमुच दुनिया का सबसे बड़ा

राजनीतिक इवेंट-ग्राउंड बनाया है। और मंच कभी खाली नहीं रहता। आज शिलान्यास, कल उद्घाटन; आज संकल्प, कल गारंटी; आज अमृतकाल, कल विकसित भारत। एक पर्दा गिरने से पहले दूसरा उठ जाता है। जनता को हिसाब लगाने की फुर्सत ही नहीं मिलती, उसके आगे अगली झांकी आ जाती है। उस नाते नरेंद्र मोदी वह राजनीतिक केस स्टडी हैं, जिसमें सत्ता चौबीसों घंटे चलते रंगमंच में बदल गई। हर कुछ सप्ताह में नया सेट, नया नारा, नई झांकी, नया संकल्प और नया भविष्य; केवल नायक स्थायी। दर्शक पिछले दृश्य का हिसाब पूछें, उससे पहले अगला पर्दा उठ चुका होता है।

और इस तथ्य को नोट रखें कि नरेंद्र मोदी का गुजरात का मुख्यमंत्री दफ्तर हो या दिल्ली का प्रधानमंत्री दफ्तर, वह केवल और केवल नौकरशाहों-अफसरों से चलता आया है। नेहरू, लालबहादुर शास्त्री, या नरसिंह राव, डॉ. मनमोहन सिंह की सत्ता इनके स्वंय के लिखाए नोट, लिखित निर्देशों, विचारों मतलब प्रधानमंत्री के निज दिमाग से चलती थी। नेहरू के 17 वर्षों के कार्यकाल में दफ्तर हो या तीन मूर्ति आवास, दर्जनों स्टेनोग्राफर होते थे। फाइल आती, निर्देश होता तो खुद फाइल पर लिखते या स्टेनोग्राफर से नोट बनवा कर कैबिनेट सचिवों, मंत्रियों, सचिवों को भेजते। और उनके कार्यकाल के आर्काइव की फाइलें इसका प्रमाण हैं।

शास्त्री ने एलके झा को अपने प्रधानमंत्री सचिवालय में रखा लेकिन वे स्वयं अंग्रेजी-हिंदी ड्राफ्ट देखते और सरकार चलाते थे। नरेंद्र मोदी ठीक विपरीत हैं। उनके सीएमओ, पीएमओ के पच्चीस सालों की फाइलें जब आर्काइव में पहुंचेंगी तो उनका राज वैसा ही निकलेगा जैसा बिहार में राबड़ी देवी का था। ध्यान रहे देश के दूसरे बड़े प्रांत बिहार में राबड़ी देवी का साढ़े सात साल शासन रहा। वे भी अफसरों के बनाए नोट, फाइलों, कैबिनेट बैठकों के एजेंडा (राज्यों में मुख्य सचिव और दिल्ली में कैबिनेट सचिव) की उस सत्ता से चलती थीं, जैसे नरेंद्र मोदी चलते हैं। राबड़ी देवी को सलाह देने वाली अधिकारी राजबाला वर्मा हुआ करतीं। वे नोट बनाती थीं, फाइल प्रोसेस करती थीं, मुख्यमंत्री के दस्तखत की जगह लाइन खींच देती थीं और उस जगह राबड़ी देवी जैसे-तैसे दस्तखत करती थीं।

ऐसे ही नरेंद्र मोदी के गांधीनगर सीएमओ में 2001 में उनके प्रमुख सचिव डॉ. पीके मिश्रा थे तो वे आज भी प्रधानमंत्री दफ्तर में उनके प्रमुख सचिव हैं। जैसे लालू-राबड़ी या नीतीश कुमार के 1990 से 2025 तक 35 वर्षों के चंद अफसरों से बिहार की दशा-दिशा, नियति बनी, वही मोदी के 25 साला गुजरात-भारत की दशा-दिशा और सेहत का समय है। यह रियलिटी भारत की मंडल, कमंडल राजनीति में हिंदुओं की उस दशा को जाहिर करती है, जिसका डीएनए है 'कोऊ नृप होउ हमहि का हानीÓ या जो सत्तावान है वही हुकूम है, मेरे तो गिरधर गोपाल हैं!

इसमें नरेंद्र मोदी स्वतंत्र भारत की राजनीति में मील के पत्थर हैं। क्योंकि उन्होंने अफसरों को शासन का कोर बना कर सरकार याकि प्रधानमंत्री के पद को ऐसा रंगमंच बनाया है, जिसमें अभिनेता एक ही है और वह हर महीने, हर दिन नया सेट, नया संवाद, नया उद्घाटन, नई झांकी से भक्तों को रिझाता रहता है। उनके शासन का भाषण, घोषणा अगली घोषणा तक जीवित रहती है, फिर नया पर्दा उठता है और पिछला दृश्य, दिखाया सपना यादगार से आउट हो जाता है। उनकी राजनीति मदारी, जादूगर जैसी नहीं, बल्कि एक आधुनिक स्टूडियो जैसी है। कब गले लगेंगे, रोशनी कहां पड़ेगी, कैमरा कहां रहेगा और दर्शक किस ओर देखेगा, इसकी पहले तैयारी होती है। वे स्वयं मंच-निर्देशक हैं, अभिनेता हैं और सरकार उनकी पटकथा। नौकरशाही प्रोडक्शन टीम और हर बड़ी तारीख एक नया प्रीमियर। सो, अगला सितंबर का शो ब्रिक्स है और सात सितंबर से सात अक्टूबर के बीच देश भर में मोदी की पच्चीस साला सत्ता का भगवा कीर्तन!

मिसाइलों से जंगल की आग तकः आधुनिक युद्ध और जलवायु का छिपा हुआ संकट

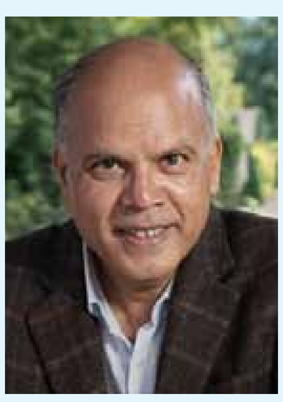

पुरणेंदु रंजन

यूरोप आज धधक रहा है। पुर्तगाल से ग्रीस तक जंगलों में आग लगी है, आसमान धुएँ से भर गया है, और समुदाय अभूतपूर्व गर्मी की लहरों से जूझ रहे हैं। आधिकारिक कारण बताए जाते हैं — जलवायु परिवर्तन, सूखा और प्रबंधन की कमी। यह सब सही है, पर शायद पूरी तस्वीर नहीं। क्या यह संभव है कि यूरोप के जंगलों की आग केवल तापमान बढ़ने का परिणाम न होकर, बढ़ती सैन्य गतिविधियों का भी असर हो? धरती से आसमान और महासागरों तक, मिसाइलें, बम और बैलिस्टिक परीक्षण अपनी आग छोड़ते हैं — वातावरण में गर्मी, कालिख और रासायनिक अवशेष फैलाते हैं। ये उत्सर्जन, जो जलवायु लेखांकन में लगभग अदृश्य हैं, उन्हीं गर्मी की लहरों को और तीव्र बना सकते हैं जो जंगलों को आग के हवाले कर देती हैं। युद्ध केवल युद्धभूमि तक सीमित नहीं है। इसकी आग जलवायु प्रणाली में घुल जाती है, एक छिपा हुआ चक्र बनाती हैः विस्फोट वातावरण को गर्म करते हैं, गर्मी सूखे को बढ़ाती है, सूखा जंगलों को आग के लिए तैयार करता है, और आग वैश्विक तापमान को और तेज़ करती है। युद्ध का धुआँ और जंगल का धुआँ एक ही आसमान में मिलकर मानव और प्रकृति दोनों को तबाह कर देता है।

युद्ध की छिपी जलवायु लागत- हर मिसाइल प्रक्षेपण, हर हवाई हमला, हर नौसैनिक बमबारी दहन की क्रिया है। रॉकेट ईंधन और विस्फोटक कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइड और ब्लैक कार्बन वातावरण में छोड़ते हैं। नागरिक उद्योग और विमानन की तरह इनका लेखा जोखा नहीं होता। जलवायु संधियों में सैन्य उत्सर्जन को व्यवस्थित रूप से बाहर रखा गया है। एक लड़ाकू विमान की एक उड़ान हजारों लीटर ईंधन जला देती है। एक मिसाइल प्रक्षेपण टनों ईंधन ऊपरी वातावरण में छोड़ता है। नौसैनिक अभ्यास लाखों गैलन डीज़ल खा जाते हैं। बमबारी से तेल डिपो, जंगल और शहरों में आग लगती है। ये उत्सर्जन गायब नहीं होते — वे जमा होते हैं और महाद्वीपों पर गर्मी का कंबल और मोटा करते हैं। ब्लैक कार्बन और एरोसोल सूर्य की किरणों को सोखकर स्थानीय गर्मी बढ़ाते हैं। विस्फोट बादलों और वर्षा के पैटर्न को बदलते हैं। पहले से सूखे से जूझ रहे क्षेत्रों में यह वातावरणीय अस्थिरता जंगलों को आग के लिए और संवेदनशील बना देती है।

मौतें, स्वास्थ्य और पारिस्थितिकी- 2025 में यूरोप में 14 लाख हेक्टेयर जंगल जल गए, सैकड़ों लोग मारे गए और दो लाख से अधिक को घर छोड़ना पड़ा। अमेरिका में पेलिसेड्स और ईटन आग ने 31 लोगों की जान ली, लगभग 12,000 घर नष्ट किए, और करोड़ों लोगों को धुएँ के संपर्क में ला दिया। कनाडा की आग ने 15 वर्षों के बराबर कार्बन उत्सर्जन एक ही सीज़न में कर दिया। धुएँ से होने वाली मौतें मौन होती हैं। हर साल दसियों हज़ार लोग समय से पहले मरते हैं। घंटों में अस्थमा के दौरे, दिनों में दिल के दौरे, और लंबे समय में कैंसर, डिमेंशिया और गर्भावस्था की जटिलताएँ। युद्धक्षेत्रों के पास यह संकट और गहरा हो जाता है — मिसाइलों और बमों से निकलने वाले विषैले उत्सर्जन धुएँ के बोझ को और बढ़ा देते हैं। वन्यजीव और वनस्पति भी भारी नुकसान झेलते हैं। लैटिन अमेरिका के अमेज़न और पैंटानल में लाखों हेक्टेयर जंगल जलते हैं, जगुआर, पक्षी और जलचर प्रजातियाँ मर जाती हैं। यूरोप में हिरण, जंगली सूअर और पक्षियों के आवास मिट जाते हैं।

युद्ध और आग का दुष्चक्र- यह चक्र बेहद खतरनाक है। युद्ध उत्सर्जन को बढ़ाता है। उत्सर्जन गर्मी की लहरों को तीव्र करता है। गर्मी जंगलों को आग के लिए तैयार करती है। आग वैश्विक तापमान को और बढ़ाती है। हर कड़ी अगली को मजबूत करती है। विडंबना यह है कि सरकारें नागरिक उत्सर्जन घटाने का वादा करती हैं, पर सैन्य शस्त्रागार बढ़ाती रहती हैं। युद्ध का धुआँ रणनीति माना जाता है, प्रदूषण नहीं। लेकिन इसके परिणाम तापमान में वृद्धि, सूखी ज़मीन और जलते जंगलों में साफ दिखाई देते हैं। युद्ध केवल शहरों और जीवन को नहीं, बल्कि जलवायु को भी नष्ट करता है। मिसाइलों की आग और जंगलों की आग अलग अलग घटनाएँ नहीं हैं; वे एक ही वातावरण में मिलकर विनाश को कई गुना बढ़ा देती हैं। यदि सैन्य उत्सर्जन संधियों से बाहर रहे, यदि युद्ध की आग को प्रदूषण नहीं माना गया, तो हमारी जलवायु रणनीतियाँ अधूरी रहेंगी। शांति केवल राजनीतिक आवश्यकता नहीं है, यह जलवायु की भी अनिवार्यता है। युद्धों को समाप्त करना उस गर्मी को समाप्त करना है जिसे कोई सम्मेलन या कार्बन बाज़ार अभी तक गिनने की हिम्मत नहीं कर पाया।

आज का विकल्प साफ हैः या तो हम युद्ध जारी रखें और ग्रह का तापमान बढ़ाएँ, या यह स्वीकार करें कि जलवायु स्थिरता का रास्ता निरस्त्रीकरण से होकर जाता है। जंगलों, महासागरों और आसमान को बचाने के लिए हमें पहले युद्ध की आग बुझानी होगी।

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज आप कारोबार से रिलेटेड कुछ परिवर्तन कर सकते हैं, जो आपको लॉन्ग टर्म में बेनिफिट देंगे। आज आप परिवार के साथ धार्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे और कुछ समय बिताएंगे, जिससे आपके मन को शांति मिलेगी। आज किसी काम में आपको भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा, जिससे काम जल्दी ही पूरा हो जाएगा।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आप ऑफिस में नए प्रोजेक्ट को लेकर स्टाफ के साथ डिस्कशन कर सकते हैं, जिससे आपको बेहतरीन सुझाव मिलेंगे। आज आप कोर्ट-कचहरी के मामलों में अपने दोस्त से मदद ले सकते हैं, जिससे सब जल्द ही सुलझ जाएगा। आज आप बच्चों को लेकर थोड़ा उलझन में रहेंगे, वे पढ़ाई-लिखाई में आपको थोड़ा निराश कर सकते हैं।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज आप पेंडिंग कार्यों को पूरा करने के साथ-साथ नए टारगेट भी बना लेंगे। आज आप दूसरों से उम्मीद करने के बजाय अपनी मेहनत और क्षमता पर विश्वास रखेंगे, तो काम सुचारू रूप से बनते जाएंगे। आज आपको राजनीतिक संबंधों का लाभ मिलेगा और आपके रुके हुए काम आगे बढ़ेंगे। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन बेहतर रहेगा।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपका आत्मविश्वास बरकरार रहेगा, जिसकी वजह से आपके अधिकतर काम निपट जाएंगे। आज बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा और आप अपने सपनों को पूरा करने में सफल रहेंगे। आज घर में शुभ समाचार मिलने की संभावना है, आपको दांपत्य जीवन का सुख मिलेगा।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए खुशी से भरा रहेगा। आज आप पिता के साथ कारोबार में हाथ बटाएंगे, जिससे उन्हें बेहद खुशी मिलेगी। आज आप किसी जरूरतमंद की मदद करेंगे, जिससे आपका सामाजिक दायरा और सम्मान बढ़ेगा। आज आप व्यर्थ की बातों से दूर होकर अपने काम पर पूरी तरह ध्यान देंगे, तो आपके काम समय पर पूरे हो जाएंगे और बॉस भी आपसे खुश होंगे।

कन्या राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज अपने बिजनेस को बढ़ाने को लेकर किसी एक्सपर्ट की राय लेना आपके लिए बेहतर रहेगा। आज आप सामाजिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे, जिससे आपकी सामाजिक छवि अच्छी बनेगी। आज आपको रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जिनका लाभ उठाकर आप जीवन में आगे बढ़ सकते हैं। इस राशि के लेखक आज कुछ नया लिखने का प्रयास करेंगे।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए लाभदायक बना रहेगा। आज आप बिजनेस में अच्छा धन लाभ कमाएंगे और आपके व्यावसायिक रिश्ते मजबूत बनेंगे। आज आपका दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा और संतान पक्ष से खुशखबरी मिलने की संभावना है।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आज आपको नौकरी में प्रमोशन मिलने की संभावना है, आपके काम से बॉस बहुत खुश होंगे। आज आप बच्चों की समस्याओं का समाधान निकालने के लिए कुछ समय उनके साथ जरूर बिताएं। आज आपकी आमदनी में इजाफा होने से आप खुद को बेहतर महसूस करेंगे और परिवार का वातावरण शांत बना रहेगा।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहने वाला है। आज इस राशि के टेक्सटाइल इंडस्ट्री से जुड़े व्यक्तियों के लिए लाभ का दिन है, आपको बड़े ऑर्डर मिल सकते हैं। आज प्रॉपर्टी से जुड़ी समस्याओं में थोड़ी भागदौड़ के उपरांत काम बन जाएगा। आज आपके सगे-संबंधियों से अच्छे तालमेल बनेंगे।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक बना रहेगा। आज आप अपनी दिनचर्या में कुछ बदलाव कर सकते हैं, जिससे आपका काम ज्यादा प्रभावी और बेहतर आउटपुट देने वाला होगा। आज आप कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह अवश्य लें। आज आप अपने स्वास्थ्य का पूरा ख्याल रखें और बदलते मौसम में अपने खान-पान को लेकर थोड़ा सतर्क रहें।

कुंभ राशिः आज का दिन कार्यक्षेत्र में तरक्की दिलाने वाला रहेगा। आज आप बिजनेस में बड़ा लाभ कमाएंगे और आपके व्यापार की ग्रोथ बढ़ेगी। आज कुछ समय व्यावहारिक और प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ व्यतीत करने से आपके स्वभाव में पॉजिटिव बदलाव आएगा।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए उत्साह से भरा रहेगा। आज आपको नौकरी के लिए किसी मल्टीनेशनल कंपनी से ऑफर आ सकता है, जिससे आपकी तरक्की की राह आसान हो जाएगी। आज आप कुछ समय एकांत अथवा आध्यात्मिक स्थल पर जरूर व्यतीत करें, ऑफिस में कार्यभार अधिक होने की वजह से ओवरटाइम करना पड़ सकता है।

हमारी आंगनवाड़ी, हमारी ज़िम्मेदारी

श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

-जब समुदाय अपनी आंगनवाड़ी को अपना मानता है

2047 का विकसित भारत उन बच्चों के हाथों से बनेगा, जो अभी स्कूल की दहलीज तक भी नहीं पहुँचे हैं। स्वस्थ और सक्षम बनने की उनकी यात्रा की सबसे महत्वपूर्ण नींव जीवन के पहले एक हजार दिनों में ही रखी जाती है। करोड़ों भारतीय बच्चों और माताओं के लिए इस सफर का भरोसेमंद सहारा उनके आसपास ही मौजूद है—आँगनवाड़ी।

स्कूल जाने से बहुत पहले बच्चे का वजन और लंबाई आँगनवाड़ी में मापी जाती है। वहीं उसे गरम पका भोजन और घर के बाहर की दुनिया से जुडऩे का पहला अवसर मिलता है, और गर्भवती माँ को पोषण से जुड़ी पहली सलाह भी। देशभर के लगभग 14 लाख आँगनवाड़ी केंद्र 8.9 करोड़ से अधिक बच्चों, महिलाओं और किशोरियों तक पहुँच रहे हैं, और इन्हें चलाने वाली 25.2 लाख कार्यकर्ता व सहायिकाएँ उसी समाज से आती हैं, जिसकी वे सेवा करती हैं। आँगनवाड़ी हमारे समाज से अलग कोई व्यवस्था नहीं, हमारे अपने पड़ोस का हिस्सा है।

मार्च 2018 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पोषण अभियान की शुरुआत कर इसी परिचित व्यवस्था को देशव्यापी जनआंदोलन की मजबूत नींव बनाया। तब से हर सितंबर राष्ट्रीय पोषण माह और हर मार्च पोषण पखवाड़ा पोषण का संदेश देश के कोने-कोने तक पहुँचाने का माध्यम बने हैं। इस वर्ष 9वाँ राष्ट्रीय पोषण माह 9 सितंबर 2026 से हमारी आँगनवाड़ी, हमारी ज़िम्मेदारी थीम के साथ शुरू हो रहा है। गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है और इस दिशा में हमारा संकल्प मजबूत है। साथ ही, इन सेवाओं का प्रभाव तब और बढ़ता है, जब समुदाय आँगनवाड़ी को अपना मानता है। प्रधानमंत्री जी ने भी कहा है कि विकसित भारत का निर्माण सबके प्रयास से होगा।

लाभार्थी से भागीदार तकः इस वर्ष सामुदायिक भागीदारी को एक व्यवस्थित रूप दिया जा रहा है। आँगनवाड़ी प्रबंधन समितियाँ माता-पिता, पंचायत प्रतिनिधियों और स्वयं सहायता समूहों को केंद्र के संचालन से जोड़ती हैं। वे देख सकते हैं कि बच्चों को क्या परोसा जा रहा है, हर हकदार बच्चे तक सेवाएँ पहुँच रही हैं या नहीं, और केंद्र को बेहतर बनाने के लिए किस सहयोग की आवश्यकता है। इसे प्रभावी बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है—सोशल ऑडिट, जो समुदाय को अपनी आँगनवाड़ी की समीक्षा करने और सामने आने वाली बातों के आधार पर सुधार की दिशा तय करने का अवसर देता है। जिस केंद्र से बच्चों और माताओं का जीवन जुड़ा है, उसकी गुणवत्ता बनाए रखने में

उन्हीं परिवारों की भागीदारी सबसे स्वाभाविक है।

इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में माँ है, और उसके हाथ में पारदर्शिता का सरल माध्यम है—मेन्यू बोर्ड। हर केंद्र पर लगा यह बोर्ड गरम पके भोजन और टेक-होम राशन का दिन-वार विवरण परिवारों के सामने रखता है। जब एक माँ जानती है कि उसके बच्चे को क्या मिलना चाहिए और केंद्र के साथ संवाद कर यह सुनिश्चित करती है कि उसे तय मात्रा और गुणवत्ता के अनुसार भोजन मिले, तो पारदर्शिता रोजमर्रा की व्यवस्था बन जाती है।

पोषण माह 2026 इसी भागीदारी को जमीन पर उतारने का अवसर है। जहाँ प्रबंधन समितियाँ गठित नहीं हुई हैं, वहाँ उनका गठन किया जाएगा; जहाँ मौजूद हैं, वहाँ उनकी पहली बैठकें और सोशल ऑडिट होंगे। हर केंद्र पर मेन्यू बोर्ड लगेगा। तिथि भोज और स्वस्थ व्यंजनों के प्रदर्शन जैसे आयोजन परिवारों, पंचायतों और स्वयं सहायता समूहों को आँगनवाड़ी के और करीब लाएँगे।

मेन्यू बोर्ड से आगेः आँगनवाड़ी सेवाओं की पहली कसौटी है—पौष्टिक भोजन, जो संतुलित और विविधतापूर्ण भी होः अनाज और श्री अन्न, दालें, मेवे और बीज, दूध और दुग्ध उत्पाद, अंडा, मौसमी फल तथा हरी सब्जियाँ। इसी दिशा में जुलाई में जारी पूरक पोषण कार्यक्रम के व्यापक दिशानिर्देश, 2026 महत्वपूर्ण कदम हैं, जिनमें पहली बार गरम पके भोजन का स्वरूप स्पष्ट रूप से निर्धारित किया गया है और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के पोषक मानकों को और मजबूत किया गया है। भोजन के साथ बच्चे के शुरुआती विकास और सीखने पर भी उतना ही ध्यान जरूरी है। बच्चा क्या खाता है और कैसे सीखता है—दोनों गहराई से जुड़े हैं। आँगनवाड़ी कार्यकर्ता पहले तीन वर्षों में विकास के 34 पड़ावों पर नजर रखती हैं, और नवचेतना तथा आधारशिला जैसे पाठ्यक्रम बच्चे को स्कूल के लिए तैयार करते हैं। यह यात्रा जन्म से भी पहले शुरू होती है—गर्भावस्था में माँ का पोषण बच्चे के जीवन की शुरुआत को भी प्रभावित करता है। इसी संदर्भ में इस वर्ष प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के दस वर्ष पूरे हो रहे हैं। इसके पीछे भावना यही रही है कि किसी महिला को गर्भावस्था के दौरान अपनी आजीविका और अपने स्वास्थ्य के बीच चुनाव न करना पड़े। इन दस वर्षों में 4.65 करोड़ लाभार्थियों तक ?21,511 करोड़ सीधे उनके बैंक खातों में पहुँचे हैं। मिशन शक्ति के तहत यह योजना अब दूसरी संतान के रूप में बेटी के जन्म पर अतिरिक्त लाभ भी देती है। सहायता का प्रभाव तब कई गुना बढ़ जाता है, जब वह अकेले नहीं, बल्कि निरंतर परामर्श और सहयोग के साथ पहुँचती है। आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 ने भी इसी तथ्य को रेखांकित किया है कि नकद सहायता अपना पूर्ण उद्देश्य तभी सिद्ध करती है, जब उसके साथ ऐसा परामर्श भी जुड़ा हो, जो परिवार को सोच-समझकर निर्णय लेने में सक्षम बनाए। सर्वेक्षण में राजस्थान के कैश प्लस मॉडल का उल्लेख है, जिसमें नकद सहायता के साथ सामाजिक एवं व्यवहार परिवर्तन संवाद को योजना का अभिन्न अंग बनाया गया। परिणाम यह हुआ कि सहायता राशि को भोजन पर व्यय करने वाली महिलाओं का अनुपात 30 प्रतिशत से बढ़कर 89 प्रतिशत हो गया, और जैसे-जैसे पति तथा परिवार के अन्य सदस्य इस संवाद से जुड़ते गए, मातृ पोषण से जुड़ी भ्रांतियाँ भी दूर होती गईं। शिशु का पोषण केवल माँ की जिम्मेदारी नहीं—इसमें परिवार, समुदाय और व्यवस्था, सभी की भूमिका है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का सम्मानः इस पूरे प्रयास की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी आँगनवाड़ी कार्यकर्ता है। सामुदायिक भागीदारी का उद्देश्य उसका दायित्व बढ़ाना नहीं, बल्कि उसे सहयोग और सम्मान देना है। स्थानीय परिवारों की जो समझ और भरोसा उन्होंने वर्षों में बनाया है, वह इस व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

महिला एशिया कप फाइनल : भारत-श्रीलंका के बीच खिताब के लिए होगी रोमांचक जंग

एजेंसी, दुबई

महिला टी-20 एशिया कप के फाइनल में भारत और श्रीलंका के बीच मुकाबले में स्पिन गेंदबाजी की भूमिका अहम रहने की उम्मीद है। टूर्नामेंट में भारत की स्पिन गेंदबाजों ने अब तक 26 विकेट लिए हैं, जो किसी भी टीम से सबसे ज्यादा हैं। श्रीलंका की स्पिन गेंदबाजी 25 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर है। ऐसे में रविवार को होने वाला खिताबी मुकाबला स्पिन बनाम स्पिन का दिलचस्प मुकाबला बन सकता है। भारत के लिए अच्छी बात यह है कि टीम ने टूर्नामेंट में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में संतुलित प्रदर्शन किया है। स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने टीम की बल्लेबाजी में अहम योगदान दिया है। वहीं, दीप्ति शर्मा की अगुआई में स्पिन आक्रमण ने विपक्षी बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाया है। दूसरी ओर, धीमी दुबई की पिचों पर श्रीलंका को बल्लेबाजी में लय हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा है।

पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में टीम 33 रन पर चार विकेट गंवा चुकी थी, लेकिन हर्षिता समरविक्रमा और कविशा दिलहारी ने पारी संभाली और टीम को जीत तक पहुंचाया। इससे पहले बांग्लादेश के खिलाफ श्रीलंका 44 रन पर पांच विकेट गंवा चुका था और समरविक्रमा की संयमित पारी ने टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। इंडोनेशिया के खिलाफ लीग मैच में भी टीम 45 रन पर पांच विकेट गंवा चुकी थी, तब निलाक्षिका सिल्वा ने पारी को संभाला था। श्रीलंका की शीर्ष बल्लेबाजी में अस्थिरता चिंता का विषय है। चमारी अटापट्टू ने चार पारियों में सिर्फ 63 रन बनाए हैं, जबकि इमेशा दुलानी के नाम चार पारियों में 64 रन हैं। दूसरी ओर, भारत की गेंदबाजी में तेज गेंदबाज नंदनी शर्मा भी अच्छी फॉर्म में हैं। ऐसे में श्रीलंकाई बल्लेबाजों के लिए भारत के गेंदबाजी आक्रमण से निपटना आसान नहीं होगा। भारत का हालिया रिकॉर्ड भी उसे खिताब का प्रबल दावेदार बनाता है। भारत ने दिसंबर 2025 में घरेलू मैदान पर श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में क्लीन स्वीप किया था और दोनों टीमों के बीच पिछले 10 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में भारत ने नौ जीत दर्ज की हैं। हालांकि, श्रीलंका के पक्ष में एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि इसी दौरान मिली उसकी एकमात्र जीत सबसे बड़े मुकाबले में आई थी। 2024 एशिया कप के फाइनल में दांबुला में श्रीलंका ने भारत के 166 रन के लक्ष्य को आठ विकेट शेष रहते हासिल कर खिताब जीता था। श्रीलंका के सामने इस बार भारत के नंदनी शर्मा और स्पिन तिकड़ी दीप्ति शर्मा, एन श्री चरणी और प्रेमा रावत से निपटने की चुनौती होगी। टीम को शुरुआती झटकों से बचते हुए साझेदारियां बनानी होंगी, ताकि मध्य और निचले क्रम पर जरूरत से ज्यादा दबाव न आए। भारत जहां संतुलन और फॉर्म के लिहाज से मजबूत नजर आ रहा है, वहीं गत चैंपियन श्रीलंका जानता है कि फाइनल में परिस्थितियां बदल सकती हैं। खास बात यह है कि बल्लेबाजी में संघर्ष के बावजूद श्रीलंका ने टूर्नामेंट में अब तक अपने सभी मुकाबले जीते हैं और उसका रिकॉर्ड भारत के समान है।

विश्व एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिपः डुप्लांटिस ने करालिस को पछाड़कर पोल वॉल्ट का खिताब जीता

एजेंसी, बुडापेस्ट

विश्व और ओलंपिक चैंपियन आर्मंड 'मोंडो' डुप्लांटिस ने शुक्रवार को विश्व एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए पोल वॉल्ट का खिताब अपने नाम किया। डुप्लांटिस ने 6.20 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर ग्रीस के अपने प्रमुख प्रतिद्वंद्वी इमैनुअल करालिस को पीछे छोड़ा। अमेरिका में जन्मे स्वीडिश खिलाड़ी डुप्लांटिस चोट की चिंता के बीच हंगरी पहुंचे थे। पैर में खिंचाव दोबारा उभरने के बाद उन्होंने एहतियात के तौर पर ब्रसेल्स डायमंड लीग फाइनल से नाम वापस ले लिया था। उनकी अनुपस्थिति में करालिस ने वहां

खिताब जीता था, लेकिन बुडापेस्ट में डुप्लांटिस ने एक बार फिर अपना दबदबा कायम किया। डुप्लांटिस और करालिस ने 5.60 मीटर की ऊंचाई से शुरुआत की और दोनों ने इसे आसानी से पार किया। डुप्लांटिस ने 5.80 मीटर को छोड़ दिया, जबकि करालिस ने यह ऊंचाई पार कर ली। इसके बाद 5.95 मीटर की ऊंचाई भी डुप्लांटिस, करालिस, नॉर्वे के सोंद्रे गुट्टोर्मसेन, ऑस्ट्रेलिया के कर्टिस मार्शल और अमेरिका के जैकेरी ब्रैडफोर्ड ने पार की। डुप्लांटिस 6.05 मीटर पार करने वाले पहले खिलाड़ी बने, लेकिन करालिस ने तीसरे प्रयास में इस ऊंचाई को पार कर मुकाबले को रोमांचक बनाए रखा। इसके बाद 6.15 मीटर की ऊंचाई पर करालिस ने पहले प्रयास में सफलता हासिल कर डुप्लांटिस पर दबाव बनाया। हालांकि स्वीडिश खिलाड़ी ने भी इसे पार कर लिया। इसके बाद बार को 6.20 मीटर तक बढ़ाया गया। करालिस इस ऊंचाई को पार नहीं कर सके, जबकि डुप्लांटिस ने इसे सफलतापूर्वक पार कर खिताब अपने नाम कर लिया। करालिस ने 6.20 मीटर को छोड़ दिया और 6.25 मीटर पर प्रयास किया, लेकिन वह सफल नहीं रहे। डुप्लांटिस ने इसके बाद 6.32 मीटर की ऊंचाई पर तीन प्रयास किए, लेकिन तीनों में असफल रहे। यह ऊंचाई पार करने पर वह अपना ही विश्व रिकॉर्ड एक सेंटीमीटर बेहतर कर सकते थे। उन्होंने इस सत्र में अपना विश्व रिकॉर्ड 6.31 मीटर तक पहुंचाया है।

जूनियर महिला एशिया कपः सुप्रिया की हैट्रिक से भारत ने दक्षिण कोरिया को 5-1 से हराया, फाइनल में पहुंचा

एजेंसी, मोकी, चीन

ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ सुप्रिया की शानदार हैट्रिक के दम पर गत चैंपियन भारत ने शनिवार को एएचएफ जूनियर महिला एशिया कप के पहले सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया को 5-1 से हराकर फाइनल में जगह बना ली। भारत ने पूरे मुकाबले में दबदबा बनाए रखा और खिताब बचाने की दिशा में एक और कदम बढ़ाया। भारत की ओर से मधु सिदार ने 13वें मिनट में गोल कर टीम का खाता खोला। इसके बाद 17वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर सुप्रिया ने सटीक ड्रैग-फ्लिक के जरिए भारत की बढ़त दोगुनी कर दी। भारत ने लगातार

आक्रामक खेल जारी रखा और 21वें मिनट में सुखवीर कौर ने शानदार फिनिश के साथ टीम को 3-0 की बढ़त दिला दी। मध्यांतर तक भारतीय रक्षापंक्ति ने दक्षिण कोरिया के प्रयासों को नाकाम रखते हुए तीन गोल की बढ़त कायम रखी। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में भारत ने एक बार फिर दबाव बनाया। 33वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर सुप्रिया ने एक और शानदार ड्रैग-फ्लिक के जरिए अपना दूसरा गोल किया और भारत को 4-0 से आगे कर दिया। दक्षिण कोरिया ने 41वें मिनट में वापसी की कोशिश की। यूरी जियोंग ने सेट पीस पर गोल कर अंतर 4-1 किया और अपनी टीम की वापसी की उम्मीद जगाई। हालांकि, भारतीय खिलाड़ियों ने इसके बाद रक्षापंक्ति को मजबूत करते हुए कोरियाई टीम को कोई स्पष्ट मौका नहीं दिया। भारत ने अंतिम क्वार्टर में भी आक्रामक रुख बनाए रखा और 56वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। सुप्रिया ने इस मौके को भी गोल में बदलते हुए अपनी हैट्रिक पूरी की और भारत की 5-1 की शानदार जीत सुनिश्चित कर दी।

उप्र स्टेट रैंकिंग टेबल टेनिस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगी पीतलनगरी

एजेंसी, मुरादाबाद। पहली बार पीतलनगरी मुरादाबाद उप्र स्टेट रैंकिंग टेबल टेनिस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगी। समर वैली स्कूल मुरादाबाद में 25 से 27 सितंबर तक होने वाली चौथी राज्य रैंकिंग प्रतियोगिता में प्रदेश के अलग-अलग जिलों के खिलाड़ी रैंकिंग और खिताब के लिए जोर आजमाइश करेंगे। प्रतियोगिता से स्थानीय खिलाड़ियों को राज्य स्तर की कड़ी प्रतिस्पर्धा में अपनी प्रतिभा परखने का मौका मिलेगा। शनिवार को टूर्नामेंट को लेकर समर वैली स्कूल में बैठक आयोजित की गई। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों के लिए प्रविष्टि की अंतिम तिथि 15 सितंबर तय की गई है। निर्धारित प्रारूप में ई-मेल के माध्यम से प्रविष्टियां भेजी जाएंगी। आयोजन को लेकर स्कूल प्रबंधन और जिला एसोसिएशन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। प्रतियोगिता व सचिव योगेंद्र गौतम और प्रतियोगिता के आयोजन सचिव व राष्ट्रीय पदक विजेता अनिल सेन ने बताया कि जिले को पहली बार रैंकिंग टूर्नामेंट की मेजबानी मिली। समर वैली स्कूल के प्रधानाचार्य विशाल उपाध्याय ने कहा कि जिले में पहली बार राज्य रैंकिंग प्रतियोगिता की मेजबानी मिलना गौरव की बात है। इससे शहर और आसपास के उभरते खिलाड़ियों को बड़े मंच पर खेलने का अनुभव मिलेगा।

डब्ल्यूसीपीएल : हरलीन देओल बारबाडोस ट्राइडेंट्स से जुड़ीं, टूर्नामेंट में करेंगी पदार्पण

एजेंसी, ब्रिजटाउन

भारतीय बल्लेबाज हरलीन देओल महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग (डब्ल्यूसीपीएल) के 2026 सत्र के बाकी मुकाबलों के लिए गत चैंपियन बारबाडोस ट्राइडेंट्स से जुड़ गई हैं। इसके साथ ही वह पहली बार महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग में खेलती नजर आएंगी। हरलीन बारबाडोस पहुंच चुकी हैं और टीम की पांचवीं विदेशी खिलाड़ी होंगी। 28 वर्षीय हरलीन फिलहाल भारत की सीनियर या भारत 'ए' टीम का हिस्सा नहीं हैं। ऐसे में वह पूरे टूर्नामेंट के दौरान बारबाडोस ट्राइडेंट्स के

साथ बनी रहेंगी। हरलीन के जुड़ने से महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग 2026 में भारतीय खिलाड़ियों की मौजूदगी और मजबूत हुई है। टूर्नामेंट में उपलब्ध 20 विदेशी खिलाड़ियों के स्थानों में से पांच पर अब भारतीय खिलाड़ियों का कब्जा है। हरलीन के अलावा किरण नवगिरे और पूजा वस्त्राकर बारबाडोस ट्राइडेंट्स का हिस्सा हैं, जबकि शिखा पांडे और यास्तिका भाटिया ट्रिनबागो नाइट राइडर्स का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। हरलीन ने भारत के लिए 28 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। उन्होंने 20 पारियों में 92.01 के स्ट्राइक रेट से 311 रन बनाए हैं। उन्होंने भारत के लिए अपना आखिरी मुकाबला मार्च में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। हरलीन महिला प्रीमियर लीग में गुजरात जायंट्स और यूपी वॉरियर्ज के लिए भी खेल चुकी हैं।

बिजनेस

बीता सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा

बाजार में उथल-पुथल जारी रही, सेंसेक्स-निफ्टी लगातार दबाव में, निवेशकों को लगा बड़ा झटका

एजेंसी, मुंबई

बीता सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा, जहां प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में भारी गिरावट दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक संघर्ष, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, और अमेरिकी ब्याज दरों को लेकर चिंताओं ने निवेशकों की धारणा को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया, जिससे बाजार में व्यापक बिकवाली का दबाव देखा गया। सप्ताह की शुरुआत से ही बाजार पर वैश्विक तनाव का साया मंडरा रहा था।

पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्षों के कारण ब्रेंट क्रूड ऑयल 100 डॉलर प्रति बैरल के निशान को पार

करने की आशंका बढ़ गई, जिसने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी। इसके अतिरिक्त, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा संभावित ब्याज दर वृद्धि की आशंका और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने भी बाजार को कमजोर किया। वैश्विक बाजारों में कमजोर रुझान का असर भारतीय सूचकांकों पर साफ दिखाई दिया। सप्ताह के शुरुआती तीन दिन (सोमवार, मंगलवार और बुधवार) बाजार के लिए बेहद खराब रहे। सोमवार को सेंसेक्स 382 अंक और निफ्टी 118 अंक गिरकर बंद हुए। मंगलवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट जारी रही, जहां सेंसेक्स 555 अंक लुढ़का और निफ्टी 23,700 के नीचे आ गया। बुधवार को बाजार में सबसे बड़ी गिरावट देखी गई, जब सेंसेक्स 813 अंक टूटकर 74,764.23 पर और निफ्टी 203 अंक गिरकर 23,431.50 पर बंद हुआ। गुरुवार को बाजार में मामूली सुधार दिखा, सेंसेक्स 138 अंक और निफ्टी 46 अंक की बढ़त के साथ बंद हुए, लेकिन यह राहत अल्पकालिक रही। शुक्रवार को एक बार फिर बाजार में गिरावट लौटी, हालांकि यह शुरुआती भारी गिरावट से कुछ उबरकर बंद हुए, फिर भी सेंसेक्स 120 अंक और निफ्टी 79 अंक के नुकसान के साथ सप्ताह का अंत किया। सप्ताह के दौरान धातु, सूचना प्रौद्योगिकी, तेल-गैस, वित्तीय सेवाएँ और रियल्टी जैसे क्षेत्रों में भारी बिकवाली देखी गई। अधिकांश क्षेत्रीय सूचकांक लाल निशान में कारोबार कर रहे थे, जो बाजार में व्यापक कमजोरी को दर्शाता है। हालांकि, गुरुवार को पीएसयू बैंक और एनर्जी जैसे कुछ क्षेत्रों में चुनिंदा खरीदारी का रुझान देखा गया, लेकिन बाजार में अनिश्चितता और निवेशकों की सावधानी बनी रही। भारतीय रुपया भी अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर होकर बंद हुआ, जो बाजार के नकारात्मक संकेतों को और पुष्ट करता है। कुल मिलाकर, यह सप्ताह निवेशकों के लिए उतार-चढ़ाव भरा और नुकसानदेह साबित हुआ।

तेलंगाना में एनालॉग पनीर के उत्पादन, बिक्री पर रोक

एजेंसी, हैदराबाद

तेलंगाना सरकार ने जनस्वास्थ्य के हित में राज्य में गैर-डेयरी, कृत्रिम पनीर या एनालॉग पनीर के विनिर्माण, प्रसंस्करण, पैकिंग, भंडारण, वितरण और बिक्री पर एक साल के लिए रोक लगा दी है। तत्काल प्रभाव से लागू होने वाला यह आदेश आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचित कर दिया गया है। तेलंगाना खाद्य एवं आवश्यक औषधि मानक प्राधिकरण ने कहा कि तेलंगाना के खाद्य सुरक्षा आयुक्त ने जनस्वास्थ्य के हित में पूरे राज्य में किसी भी रूप में गैर-डेयरी, कृत्रिम पनीर या एनालॉग पनीर पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया है। विज्ञप्ति के अनुसार यह प्रतिबंध 10 सितंबर से तत्काल प्रभाव से एक साल के लिए लागू होगा।

सेंचुरी बिजनेस मीडिया का आईपीओ लॉन्च, पहले दिन ही हुआ फुली सब्सक्राइब

एजेंसी, नई दिल्ली

एयरपोर्ट टर्मिनल बिल्डिंग में अंदर और बाहर तथा रेलवे स्टेशन और रेलवे की जमीन पर डिजिटल और स्टैटिक होर्डिंग के जरिये विज्ञापन की जगह उपलब्ध कराने वाली आउटडोर एडवर्टाइजिंग सेक्टर की दिग्गज कंपनी सेंचुरी बिजनेस मीडिया लिमिटेड का 17.11 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 16 सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 17 सितंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 18 सितंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 21 सितंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद पहले दिन ही ये आईपीओ 1.15 गुना सब्सक्राइब हो चुका था।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 70 रुपये से लेकर 74 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज

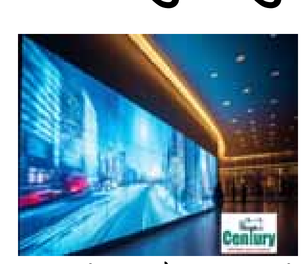

1,600 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 3,200 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,36,800 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 23.12 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.27 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.35 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.33 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.05 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए हेम सिक्योरिटीज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं हेम फिनलीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। सेंचुरी बिजनेस मीडिया लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 3.68 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 4.70 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 5.56 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 32.27 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 36.91 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 46.76 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था।

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ इंजेक्टो पॉलिमर्स का पब्लिक इश्यू, 21 सितंबर को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

प्लास्टिक पैकेजिंग उत्पादों का निर्माण और प्लास्टिक ग्रैन्यूल्स तथा पीवीसी रेजिन की ट्रेडिंग करने वाली कंपनी इंजेक्टो पॉलिमर्स 56.12 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 16 सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 17 सितंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 18 सितंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 21 सितंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद पहले दिन ये आईपीओ 29 प्रतिशत सब्सक्राइब

हुआ था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 98 रुपये से लेकर 100 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 2,400 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,40,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 56,12,400 नए शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 28.44 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.27 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 33.24 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.05 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए इंडकैप एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि इंटीग्रेटेड रजिस्ट्री मैनेजमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है।

यूपी में मुफ्त तोरिया बीज योजना शुरू, किसान ऐसे करें बुकिंग

एजेंसी, नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश सरकार ने किसानों को तोरिया की खेती के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक नई योजना शुरू की है। इसके तहत किसानों को तोरिया के मुफ्त बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। यह पहल राज्य में तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने और किसानों को बीज खरीद के खर्च से राहत दिलाने के लिए की गई है। इच्छुक किसान निर्धारित प्रक्रिया का पालन कर योजना का लाभ उठा सकते हैं। तोरिया एक महत्वपूर्ण तिलहनी फसल है, जो कम समय में तैयार होती है और बाजार में इसकी अच्छी मांग रहती है। सरकार अच्छी गुणवत्ता वाले मुफ्त बीज उपलब्ध कराकर किसानों को बीज खरीदने के खर्च से राहत दे रही है, साथ ही राज्य में तिलहन उत्पादन को बढ़ावा दे रही है, जिससे किसानों को बेहतर उपज की उम्मीद है। मुफ्त बीज का लाभ उठाने के लिए किसानों को पहले आवेदन या बुकिंग करनी होगी। यह प्रक्रिया कृषि विभाग की वेबसाइट, अपने जिले के कृषि विभाग कार्यालयों या निर्धारित बुकिंग केंद्रों के माध्यम से पूरी की जा सकती है। आवेदन के लिए आधार कार्ड, मोबाइल नंबर और खेती से संबंधित दस्तावेज आवश्यक हो सकते हैं। बुकिंग के बाद किसानों को बीज वितरण केंद्र की जानकारी दी जाएगी। किसानों को सलाह दी जाती है कि आवेदन से पहले योजना की शर्तों, बीज की उपलब्धता और वितरण केंद्र की जानकारी अवश्य लें। ऑनलाइन जानकारी सही भरें, किसी अनाधिकृत व्यक्ति को पैसे न दें और समस्या आने पर कृषि विभाग से सीधे संपर्क करें। बीज मिलने पर पैकेट पर दिए गए बुवाई संबंधी निर्देशों का पालन करें।

आरबीआई एक लाख करोड़ की सरकारी प्रतिभूतियां बेचेगी

एजेंसी, मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने तीन चरणों में खुले बाजार परिचालन (ओएमओ) के तहत एक लाख करोड़ रुपए की सरकारी प्रतिभूतियां बेचने की घोषणा की। पहला चरण 17 सितंबर को होगा। आरबीआई के अनुसार पहले चरण में 17 सितंबर को 50,000 करोड़ रुपए और उसके बाद 21 सितंबर तथा 28 सितंबर को 25,000-25,000 करोड़ रुपए की सरकारी प्रतिभूतियां बेची जाएंगी। आरबीआई ने बयान में कहा कि बैंकिंग प्रणाली में उपलब्ध धन की मौजूदा स्थिति और उसमें हो रहे बदलाव की समीक्षा के बाद रिजर्व

बैंक ने तीन चरणों में कुल एक लाख करोड़ रुपए की सरकारी प्रतिभूतियां बेचने का फैसला किया है। पहली नीलामी में 2029, 2030, 2031 और 2032 में परिपक्व होने वाली सरकारी प्रतिभूतियां बेची जाएंगी। आरबीआई ने कहा कि नीलामी 17 सितंबर को सुबह साढ़े नौ बजे से साढ़े 10 बजे के बीच होगी। यह घोषणा ऐसे समय हुई है जब विदेशी मुद्रा प्रवासी (बैंक) (एफसीएनआर-बी) जमा के जरिये विदेशी मुद्रा आने से बैंकों में उपलब्ध धन काफी बढ़ गया है। अतिरिक्त धन को वापस लेने के लिए आरबीआई लगातार परिवर्तनीय दर रिवर्स रेपो (वीआरआरआर) नीलामी भी कर रहा है। बैंकों द्वारा एफसीएनआर (बी) जमा में बड़ी मात्रा में धन जुटाए जाने के बाद बैंकों में उपलब्ध नकदी में तेज वृद्धि हुई है।

प्रेम कीटाणु से वीर पहाड़िया का रोमांटिक गाना रिलीज

बॉ बॉलीवुड के उभरते हुए अभिनेता वीर पहाड़िया की बहुप्रतीक्षित आगामी फिल्म 'प्रेम कीटाणु' को लेकर दर्शकों के बीच भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। कुछ ही दिनों पहले मेकर्स द्वारा जारी किए गए फिल्म के धमाकेदार और मजेदार टीजर ने सोशल मीडिया पर खूब धूम मचाई थी, जिसके बाद से ही फैंस इस फिल्म से जुड़ी हर छोटी-बड़ी अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। अब निर्माताओं ने दर्शकों की इस उत्सुकता को और बढ़ाते हुए फिल्म का पहला रोमांटिक और भावुक गाना 'कहो तो' आधिकारिक तौर पर रिलीज कर दिया है। गाना सामने आते ही इंटरनेट पर वायरल हो गया है और संगीत प्रेमियों द्वारा इसे काफी सराहा जा रहा है। जी म्यूजिक कंपनी के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर जारी किया गया यह गाना एक बेहद खूबसूरत और रूहानी लव ट्रैक है। गाने के वीडियो में मुख्य अभिनेता वीर पहाड़िया और नवोदित अभिनेत्री आफिया सय्यद के बीच की सादगी भरी और मनमोहक केमिस्ट्री नजर आ रही है। दोनों की ऑन-स्क्रीन जोड़ी बेहद तरोताजा और आकर्षक लग रही है। इस गाने के जरिए आफिया सय्यद हिंदी सिनेमा में बतौर मुख्य अभिनेत्री अपना बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं। पहली ही फिल्म में उनकी सादगी और बेहतरीन अभिव्यक्ति ने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इस गाने को अपनी जादुई और मखमली आवाज से सजाया है बॉलीवुड के मशहूर गायक अरमान मलिक ने। अरमान की सुरीली आवाज ने इस रोमांटिक गीत में एक अलग ही जान फूंक दी है, जो सीधे दिल को छूती है। गाने की एक और सबसे बड़ी खासियत इसमें शामिल कव्वाली का हिस्सा है, जिसे जाने-माने कव्वाल और गायक अल्तामाश फरीदी ने अपनी दमदार और भावपूर्ण आवाज में गाया है। गाने का संगीत निर्देशक अन्नकुर आर पथक द्वारा तैयार किया गया है, जिन्होंने आधुनिक धुनों और पारंपरिक संगीत का बेहतरीन संतुलन बनाया है। वहीं, इस बेहद प्यारे गीत के बोल सचिन उर्मतोश ने लिखे हैं, जो प्यार की गहराई और समर्पण को बड़े ही खूबसूरत ढंग से बयां करते हैं। फिल्म 'प्रेम कीटाणु' एक मनोरंजक और सामाजिक संदेश देने वाली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है। फिल्म का निर्देशन अपूर्व सिंह कार्की ने किया है, जो इससे पहले कई सफल प्रोजेक्ट्स का निर्देशन कर अपनी काबिलियत साबित कर चुके हैं। अपूर्व सिंह कार्की अपनी फिल्मों में सटीक ड्रामा और यथार्थवादी कहानी को बेहतरीन तरीके से पेश करने के लिए जाने जाते हैं। इस फिल्म का निर्माण गौरव वर्मा द्वारा किया गया है, जिसमें फार्स फिल्म्स और भावना स्टूडियोज ने मुख्य सहयोगी के रूप में हाथ मिलाया है। फिल्म की स्टार कास्ट भी काफी मजबूत और बहुमुखी है। मुख्य जोड़ी के तौर पर वीर पहाड़िया और आफिया सय्यद के अलावा अपारशक्ति खुराना, राकेश बेदी और निखिल विजय जैसे मंझे हुए कलाकार अपनी बेहतरीन एक्टिंग का जलवा बिखेरते नजर आएंगे। इन दिग्गजों का एक साथ आना यह साफ संकेत देता है कि फिल्म में दर्शकों को सिर्फ रोमांस ही नहीं, बल्कि हंसी के ठहाके और भरपूर ड्रामा भी देखने को मिलेगा। निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज डेट को लेकर भी स्थिति पूरी तरह स्पष्ट कर दी है। 'प्रेम कीटाणु' 2 अक्टूबर 2026 को गांधी जयंती के अवसर पर देशभर के सिनेमाघरों में बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। छुट्टी का फायदा निश्चित तौर पर इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर मिल सकता है। टीजर की सफलता और अब रोमांटिक गाने 'कहो तो' को मिल रहे जबरदस्त रिस्पॉन्स ने फिल्म के लिए एक बेहतरीन माहौल तैयार कर दिया है।

वन के बाद इन 5 फिल्मों में दिखेगा तमन्ना भाटिया का अलग अंदाज

फिल्मी सफर का विश्लेषण

तमन्ना भाटिया अपने करियर के उस मोड़ पर हैं जहाँ वह किसी एक शैली में बंधकर रहने के बजाय विविधता को प्राथमिकता दे रही हैं। वर्ष 2026 में उनके पास बड़े बजट की एक्शन फिल्मों से लेकर ड्रामा, ओटीटी शो और मल्टी-स्टारर कॉमेडी फिल्मों का बेहतरीन संतुलन है। अजय देवगन, सिद्धार्थ मल्होत्रा और नवाजुद्दीन सिद्दीकी जैसे अलग-अलग मिजाज के अभिनेताओं के साथ स्क्रीन शेयर करना यह दर्शाता है कि निर्माताओं के बीच तमन्ना की व्यावसायिक विश्वसनीयता और अभिनय क्षमता दोनों की भारी मांग है।

बॉ बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया जल्द ही फिल्म वन में नजर आएंगी। यह फिल्म 25 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, जिसमें वह बिल्कुल अलग अंदाज में दिखाई देंगी। फिल्म में उनके साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा, मनीष पॉल, श्वेता तिवारी और सुनील ग्रोवर भी अहम भूमिकाओं में हैं। वन की रिलीज से पहले आइए जानते हैं, तमन्ना की आने वाली दूसरी फिल्मों के बारे में, जिनका दर्शकों को इंतजार है। एक्शन-एडवेंचर फिल्म रेंजर 4 दिसंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में तमन्ना बिल्कुल अलग भूमिका में दिखाई देंगी। वहीं फिल्म में तमन्ना के साथ अजय देवगन और संजय दत्त नजर आए थे। तमन्ना, अर्चित कुमार और निशांत नाइक के साथ मिलकर डेयरिंग पार्टनर्स शो में काम करने वाले हैं। इस शो में डायना पेंटी भी हैं, और नकुल मेहता व जावेद जाफरी अहम भूमिकाओं में हैं। स्त्री 2 में तमन्ना एक गाने में नजर आई थीं। उन्हें लोगों ने खूब पसंद किया था। वहीं अब कई रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि वो इसके तीसरे भाग में भी दिखाई देंगी। हालांकि, इसका आधिकारिक ऐलान अभी तक नहीं हुआ है। फिल्म बोले चूड़ियां साल 2026 के आखिरी तक रिलीज होगी। इस फिल्म में तमन्ना के साथ नवाजुद्दीन सिद्दीकी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

बहुप्रतीक्षित डरावनी रोमांचक हॉरर-थ्रिलर फिल्म 418 की नई थिएट्रिकल रिलीज़ डेट तय

18 सितंबर को होगा सिनेमाघरों में आगाज

म मशहूर फिल्म निर्माता प्रशांत नील की प्रस्तुति और मैथ्री मूवी मेकर्स के बैनर तले बन रही बहुप्रतीक्षित डरावनी रोमांचक फिल्म '418 की नई प्रदर्शन तिथि तय हो गई है। कीर्तन नाडागौडा द्वारा लिखित और निर्देशित यह फिल्म अब 18 सितंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जाएगी। फिल्म में सूर्या राज, चरण लक्काराजू और प्रीति पगाडल प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म को पहले 31 जुलाई को सिनेमाघरों में लाने की घोषणा की गई थी। प्रदर्शन तिथि की घोषणा के बाद दर्शकों में फिल्म को लेकर काफी उत्सुकता थी, लेकिन निर्धारित समय तक फिल्म का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका। खासतौर पर फिल्म के निर्माणोत्तर कार्य में अतिरिक्त समय की जरूरत को देखते हुए प्रदर्शन टालने का निर्णय लिया गया। फिल्म से जुड़े निर्माताओं के अनुसार, इसके तकनीकी पक्ष, दृश्य प्रस्तुति और अंतिम रूप को बेहतर बनाने के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता थी। टीम फिल्म के प्रत्येक पहलू को अपनी अपेक्षाओं के अनुरूप तैयार करना चाहती थी। इसी वजह से 31 जुलाई की निर्धारित तारीख को आगे बढ़ाया गया और अब 18 सितंबर की तारीख तय की गई है। '418 प्रशांत नील और मैथ्री मूवी मेकर्स के बीच एक और महत्वपूर्ण सहयोग है।

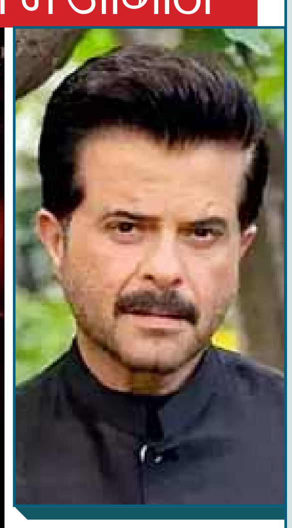

फिल्म के निर्देशक कीर्तन नाडागौडा इससे पहले 'केजीएफ फिल्मों में प्रशांत नील के साथ सह-निर्देशक के रूप में काम कर चुके हैं। अब नील उनकी निर्देशित फिल्म को प्रस्तुत कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण नवीन येरनेनी और यलमनचिली रवि शंकर ने किया है। निर्माताओं के अनुसार, '418 में रहस्य, मानसिक तनाव और भय को केंद्र में रखते हुए एक गंभीर डरावना अनुभव पेश करने की कोशिश की गई है। '418 को सामान्य हास्य प्रधान डरावनी फिल्मों से अलग बताया जा रहा है। फिल्म में हंसी-मजाक के बजाय डर, रहस्य, मानसिक तनाव और बेचैन कर देने वाली परिस्थितियों पर अधिक जोर दिया गया है। यही वजह है कि फिल्म को एक गंभीर और अंधेरे माहौल वाली रोमांचक कहानी के रूप में प्रचारित किया जा रहा है। फिल्म की तकनीकी टीम में छायाकार दिनेश दिवाकर, संगीत एवं पृष्ठभूमि संगीत विशेषज्ञ वेंकी जीजी तथा कला निर्देशक उल्लास हैदूर शामिल हैं। टीम का उद्देश्य कहानी के अनुरूप ऐसा दृश्य और ध्वनि वातावरण तैयार करना है, जो दर्शकों के बीच भय और रहस्य का प्रभाव बनाए रखे। नई प्रदर्शन तिथि तय होने के साथ ही अब फिल्म के प्रचार अभियान के तेज होने की उम्मीद है। निर्माताओं की ओर से आने वाले दिनों में फिल्म से जुड़े प्रचार कार्यक्रम, झलकियां और अन्य सामग्री जारी किए जाने की संभावना है। अब दर्शकों की नजर 18 सितंबर पर टिकी है, जब '418 दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म की कहानी, कलाकारों का अभिनय और भय तथा रहस्य से भरपूर प्रस्तुति इसे लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा रही है।

25 साल बाद भी 'नायक' की दर्शकों के बीच खास जगह

वर्ष 2001 में रिलीज हुई फिल्म 'नायक : द रियल हीरो' समय के साथ और लोकप्रिय होती गई। बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर के करियर में कई ऐसे किरदार हैं, जिन्हें दर्शक आज भी याद करते हैं। फिल्म ने यह सवाल उठाया था कि अगर एक आम इंसान को व्यवस्था बदलने की ताकत मिल जाए, तो वह उस ताकत का इस्तेमाल किस तरह कर सकता है। फिल्म की रिलीज के 25 साल पूरे होने पर अनिल कपूर ने शिवाजी राव के किरदार को याद करते हुए बताया कि यह भूमिका आज भी उनके दिल के बेहद करीब क्यों है। अनिल कपूर ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि शिवाजी राव का किरदार उन्हें केवल इसलिए आकर्षक नहीं लगा था कि एक आम आदमी मुख्यमंत्री बन जाता है। उन्हें सबसे ज्यादा यह बात प्रभावित करती थी कि सत्ता मिलने के बाद शिवाजी अपनी शक्ति का इस्तेमाल लोगों की जिंदगी बेहतर बनाने के लिए करता है। अभिनेता ने कहा कि ऐसे उद्देश्य वाले किरदार को पर्दे पर निभाना उनके लिए सम्मान की बात थी और यही वजह है कि 25 साल बाद भी 'नायक' दर्शकों के बीच अपनी खास जगह बनाए हुए है। अनिल कपूर ने फिल्म का हिस्सा बनने पर गर्व जताते हुए कहा कि यह ऐसी कहानी थी, जो व्यवस्था में बदलाव और बेहतर समाज की उम्मीद जगाती है। 'नायक' का निर्देशन तमिल फिल्ममेकर एस. शंकर ने किया था।

इंटरनेशनल सिने अवार्ड 2026 में बिहार की फिल्म "चम्पारण सत्याग्रह" ने बेस्ट स्टोरी, बेस्ट फीचर फिल्म एवं बेस्ट डायरेक्टर का जीता अवॉर्ड

मोतिहारी/ मुंबई

मुंबई में इंटरनेशनल सिने अवार्ड 2026 का भव्य आयोजन राम गणेश गडकरी रंगायतन हॉल, तलाव पाली के पास, ठाणे (पश्चिम) में किया गया। इस अवसर पर अवॉर्ड वितरण के साथ साथ भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उद्योगपति ओंकार फूलचंद ने किया, जिसमें विभिन्न अलग अलग कैटेगरी में अवॉर्ड वितरण किया गया। भव्य आयोजन के बीच बिहार की युवराज मीडिया एण्ड एंटरटेनमेंट की फिल्म चम्पारण सत्याग्रह ने बेस्ट स्टोरी, बेस्ट फीचर फिल्म एवं बेस्ट डायरेक्टर का अवॉर्ड जीता। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में मराठी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता, निर्देशक महेश कोठारे, 'धर्मवीर' और 'मुशी तोपफखान' जैसी फिल्मों के निर्देशक और दमदार अभिनेता प्रवीण तरडे, मराठी फिल्मों के लोकप्रिय अभिनेता स्वप्निल जोशी, अंकुश चौधरी और सुबोध भावे के अलावा बॉलीवुड भोजपुरी फिल्मों की मशहूर हस्तियों ने शिरकत किया। कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन के पश्चात गायिका उर्मिला सोनकर ने सरस्वती वंदना का गायन किया। फिर फिल्मों के मशहूर गायक गायिका अंकिता दूबे और प्रभात एवं उर्मिला सोनकर ने क्रमशः राम भजन और गणेश वंदना से शमा बांधा। उसके बाद बॉलीवुड के गीत संगीत के बीच फिल्मों का अवॉर्ड वितरण किया गया। फिल्मकार व अभिनेता निर्देशक डा. राजेश अस्थाना ने फिल्म चम्पारण सत्याग्रह का बेस्ट स्टोरी, बेस्ट फीचर फिल्म एवं बेस्ट डायरेक्टर का अवॉर्ड लिया। इस दौरान हिंदी, भोजपुरी एवं मराठी फिल्मों के मशहूर अभिनेता अभिनेत्रियों को बुके एवं अंग वस्त्रम से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन मशहूर उद्घोषक सुनील धर ने किया।

बॉक्स ऑफिस पर मिर्जापुर: द मूवी और हनुमान अंश ने मचाई धूम, मिलाकर कमाए इतने करोड़

अ अली फजल और पंकज त्रिपाठी की फिल्म मिर्जापुर : द मूवी 4 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म ने पहले दिन से ही दर्शकों के बीच जबरदस्त क्रेज बनाया, जिसका असर बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर भी दिखा। वहीं छोटे बजट की हनुमान अंश को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, जिससे इसकी कमाई में भी शानदार उछाल आया। ऐसे में आइए जानते हैं, दोनों फिल्मों ने अब तक बॉक्स ऑफिस पर कितनी कमाई की है। फिल्म मिर्जापुर द मूवी बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई कर रही है। इसने रिलीज के पहले दिन 25 .75 करोड़, दूसरे दिन 32 करोड़, तीसरे दिन 36 करोड़, चौथे दिन 16 करोड़, पांचवे दिन 15 .65 करोड़ और छठे दिन 12 .55 करोड़ रुपये की कमाई की। वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक, इसने सातवें दिन यानी गुरुवार को 10 करोड़ रुपये की कमाई की है। ऐसे में फिल्म ने कुल 7 दिनों में 147 .95 करोड़ रुपये की कमाई की है। फिल्म हनुमान अंश भारत में 7 अगस्त को रिलीज हुई थी। शुरुआत में तो इसकी कमाई काफी धीरी रही, लेकिन लोगों की सकारात्मक प्रतिक्रिया की वजह से इसकी कमाई में उछाल आया और इतने पांचवें हफ्ते के बाद धुंधार कमाई की। अब इसने रिलीज के 35वें दिन 10 करोड़ रुपये की कमाई की है। ऐसे में इस फिल्म ने रिलीज के कुल 35 दिनों में कुल 163 .13 करोड़ रुपये की कमाई की है।

रामानंद सागर की विरासत बड़े पर्दे पर लौटेगी

7 भागों वाली श्रीमद् भागवतम् का ऐलान

भा भारतीय पौराणिक कथाओं और आध्यात्मिक परंपरा से जुड़ी श्रीमद्भागवत अब बड़े पर्दे पर एक बेहद अलग अंदाज में नजर आने वाली है। सागर पिक्चर्स एंटरटेनमेंट ने इस पवित्र ग्रंथ पर आधारित एक विशाल लाइव-एक्शन फिल्म फ्रेंचाइजी का ऐलान किया है। खास बात यह है कि मेकर्स पूरी कथा को एक बॉलीवुड फिल्म में समेटने के बजाय इसे सात अलग-अलग फिल्मों के जरिए दर्शकों तक पहुंचाने की तैयारी कर रहे हैं। इस सात भागों वाली सीरीज की शुरुआत 'श्रीमद्भागवत पार्ट 1: विष्णुरत से होगी। मेकर्स ने फिल्म का पहला टीजर पोस्टर भी जारी कर दिया है। इसके साथ ही इस महत्वाकांक्षी सिनेमाई सफर की आधिकारिक शुरुआत हो गई है। फिल्म को दुनियाभर के सिनेमाघरों में 2027 में रिलीज करने की योजना है और इसे प्रीमियम लार्ज फॉर्मेट में भी दिखाया जाएगा। फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म का नाम 'विष्णुरत रखा गया है। यह नाम भगवान विष्णु की संरक्षण प्राप्त करने वाले व्यक्ति के अर्थ को दर्शाता है। फिल्म का शीर्षक ही इस बात का संकेत देता है कि कहानी भारतीय आध्यात्मिक परंपरा और भगवान विष्णु से जुड़े व्यापक आख्यानों की ओर ले जाएगी। मेकर्स ने फिलहाल कहानी के विस्तृत हिस्से को सामने नहीं रखा है। हालांकि सात फिल्मों की घोषणा से इतना स्पष्ट है कि दर्शकों को श्रीमद्भागवत की कथा का विस्तृत सिनेमाई अनुभव देने की तैयारी है। अलग-अलग अध्यायों को पर्याप्त समय और स्पेस देने की वजह से फिल्मकार इसके पात्रों, घटनाओं और आध्यात्मिक प्रसंगों को विस्तार से दिखा सकेंगे। श्रीमद्भागवत की कथा बेहद विस्तृत मानी जाती है। ऐसे में इसे सिर्फ एक फिल्म में प्रस्तुत करने के बजाय सात हिस्सों में बांटने का फैसला इसे एक लंबी सिनेमाई यात्रा में बदल देता है। 'विष्णुरत इस यात्रा का पहला पड़ाव होगा और आगे आने वाली फिल्में इस महागाथा को अलग-अलग चरणों में आगे बढ़ाएंगी। इस फ्रेंचाइजी के जरिए मेकर्स का उद्देश्य केवल पौराणिक घटनाओं को पर्दे पर उतारना नहीं, बल्कि एक ऐसा सिनेमाई संसार तैयार करना है, जिसमें कहानी को बड़े स्तर पर विकसित किया जा सके। आने वाले समय में हर पार्ट से जुड़ी कहानी और किरदारों को लेकर ज्यादा जानकारी सामने आने की उम्मीद है। इस बड़े प्रोजेक्ट की कमान आकाश सागर चोपड़ा और अमृत सागर चोपड़ा के हाथों में है। सागर पिक्चर्स एंटरटेनमेंट लंबे समय से भारतीय पौराणिक और धार्मिक कथाओं को दर्शकों तक पहुंचाने के लिए जाना जाता है। इसी अनुभव के साथ प्रोडक्शन हाउस अब श्रीमद्भागवत को सात फिल्मों के बड़े सिनेमाई प्रोजेक्ट के रूप में पेश करने जा रहा है। हालांकि अभी फिल्म की कास्ट से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। रिलीज की सटीक तारीख और प्रोडक्शन से जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां भी फिलहाल पर्दे के पीछे रखी गई हैं। आने वाले समय में मेकर्स 'विष्णुरत को लेकर और घोषणाएं कर सकते हैं। 'श्रीमद्भागवत पार्ट 1: विष्णुरत को 2027 में दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिल्म को प्रीमियम लार्ज फॉर्मेट में रिलीज करने की तैयारी है, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि मेकर्स इसे सिर्फ कहानी के स्तर पर नहीं, बल्कि विजुअल स्केल पर भी बड़ा अनुभव बनाना चाहते हैं। पहले पोस्टर के साथ शुरू हुई इस घोषणा ने पौराणिक फिल्मों में रुचि रखने वाले दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है।

BRIFF NEWS

Ishq ki baatein in Dilli ki baarish

New Delhi, Agency: On a drenched Saturday evening, the smell of mogra and tunes of iconic retro songs enveloped an audience gathered for an evening of spoken-word poetry. Beginning with the words of Mirza Ghalib, 'Duniya ek jism hai, aur Dilli uski jaan,' an evening of poetry and storytelling unfolded at Lok Kala Manch. Poet Priya Malik, along with singer-songwriter Tanmay Maheshwari, brought a show filled with nostalgia, humour and love, leaning into '90s nostalgia, with a radio on stage and gajre adorning her hair.

'Language helps bridge the gap'

Speaking to us after the 90-minute show, Priya talks about how a blend of languages helps her reach today's audience which may not know much about poetry.

Delhi man, 22, stabbed 17 times near school over suspected affair

New Delhi, Agency:A 22-year-old man was stabbed 17 times and killed after an altercation with two men near a school in east Delhi's Mandawali on Thursday evening, with police suspecting that the accused believed the victim was having an affair with his sister.

A PCR call about the stabbing was received at 7:54pm, following which police reached near Gyan Vatika School and rushed the injured man, identified as Vansh Dedha, to Max Hospital. He was declared brought dead. Doctors found 17 stab injuries on his body.

Preliminary inquiry revealed that Dedha had an altercation with Keshav Kumar, 22, a resident of Karawal Nagar, and his associate. Police suspect Kumar attacked Dedha after believing that he was having an affair with his sister. Kumar and his associate allegedly chased Dedha and repeatedly stabbed him with a sharp-edged weapon near the school before fleeing the spot.

President of AIIB Zou Jiayi arrives in New Delhi to participate in 18th BRICS Summit

NewDelhi,Agency: President of the Asian Infrastructure Investment Bank (AIIB), Zou Jiayi has arrived in New Delhi to participate in the 18th BRICS Summit. In a social media post, External Affairs Ministry spokesperson Randhir Jaiswal said that her visit will strengthen partnerships to advance sustainable development and expand opportunities for emerging economies.

DU looks to double hostel capacity but new beds years away

New Delhi, Agency: University of Delhi (DU) is set to more than double its hostel capacity, adding 5,544 seats across the university and its colleges, amid renewed concerns over the safety and availability of student accommodation following the Satya Niketan building tragedy.According to the DU, the institute currently has 3,422 hostel seats at the university level. This is proposed to rise to 7,344 with the addition of 3,922 seats. Across its colleges, the existing capacity of 3,788 seats is expected to increase by another 1,622, taking it to 5,410. Together, the university and its colleges will have 12,754 hostel seats once the planned expansion is completed.

The proposed expansion, however, is largely dependent on projects that are still under construction. The university administration officials said several hostels are expected to be completed in the coming months, while work on other projects is yet to begin.

Among the major projects under construction is a 1,450-seat Institute of Eminence hostel at the Dhaka Complex, which is nearing completion. A 1,000-seat women's hostel, Nirbhaya Residential Accommodation, and a 1,050-seat studio apartment complex are also being built.

The university has said its hostel capacity is likely to more than double over a four to five-year period. It also plans to submit proposals for several additional hostel projects to the government.

The push to expand residential facilities comes at a time when the safety and living conditions of students staying in private accommodation have come under greater scrutiny after the Satya Niketan tragedy. The incident has also brought renewed attention to the dependence of students on privately run hostels and paying guest accommodation in areas around the university.

Against this backdrop, the DU has told all college principals to review the residential facilities available to students and expedite the completion of hostels already under construction.

"In addition to existing hostels, if any hostel is currently under construction at your institution, efforts should be made to complete it promptly so that it becomes available to students as soon as possible," university said.

Delhi to get own SDRF with 1,100 personnel

NewDelhi, Agency: The Delhi Government will set up its own State Disaster Response Force (SDRF), comprising a battalion of around 1,100 personnel, to speed up relief and rescue operations during disasters, Chief Minister Rekha Gupta said on Thursday after a high-level meeting with senior NDRF officials.

The proposed force will function under the Delhi Government and is expected to provide a trained local response during natural and man-made disasters, reducing dependence on external assistance.

NDRF officials briefed the Chief Minister on the proposed SDRF and said the force would receive specialised training from the national disaster response agency. The NDRF will also assist with specialised equipment based on Delhi's geographical conditions and requirements.

The government will additionally provide specialised training to Delhi Fire Department personnel and Civil Defence volunteers to improve coordination among agencies during rescue and relief operations.

Gupta directed officials to share details of disaster management equipment and its storage with the departments concerned so that the equipment can be made available immediately during an emergency.

The Chief Minister said setting up an SDRF was a long-standing requirement for Delhi, particularly given its dense population and status as a metropolitan city. She said the force would strengthen the Capital's capacity for an immediate local response.

Delhi to give young athletes Rs 2,000 monthly stipend under new scheme

New Delhi, Agency: Young athletes training at Delhi govt sports centres and stadiums will receive a monthly assistance of Rs 2,000 under a new grassroots component of the Mukhyamantri Khel Protsahan Yojana, approved by Delhi Cabinet Thursday.

The new 'Grassroots Training Support Assistance' component will cover athletes in the Under-14, Under-17, Under-19 and Under-21 categories.

Under the scheme, assistance will be provided to up to 25% of regularly enrolled trainees at each sports centre or stadium. A maximum of 100 athletes at a centre will be covered, though the limit may be increased to 150 at larger stadiums.

The move expands the existing Mukhyamantri Khel Protsahan Yojana, under which top-ranked school-level athletes can receive up to Rs 5 lakh annually for coaching, equipment, competitions, nutrition and other training requirements.

Elite athletes representing Delhi and India at the highest level are eligible for assistance of up to Rs 20 lakh a year.

Delhi Govt approves introduction of 'Grassroot Training Support Assistance' under Mukhyamantri Khel Protsahan Yojana

New Delhi, Agency: The Delhi Government has approved the introduction of a 'Grassroot Training Support Assistance' component under the Mukhyamantri Khel Protsahan Yojana. Under the new initiative, eligible athletes training regularly at Delhi government sports centres and stadiums will receive financial assistance of two thousand rupees per month.

The scheme will cover athletes in the Under-14, Under-17, Under-19 and Under-21 categories. The assistance will help athletes meet expenses related to nutrition, local travel, basic sports equipment and medical needs. Delhi Chief Minister Rekha Gupta said that the assistance will help young athletes continue their training without interruption and meet expenses related to nutrition, local travel, basic sporting equipment and medical needs. Delhi's Sports Minister Ashish Sood said the initiative aims to ensure that financial difficulties do not force talented young athletes to give up their sporting ambitions.

Miffed HC fixes deadline for final property conversion policy

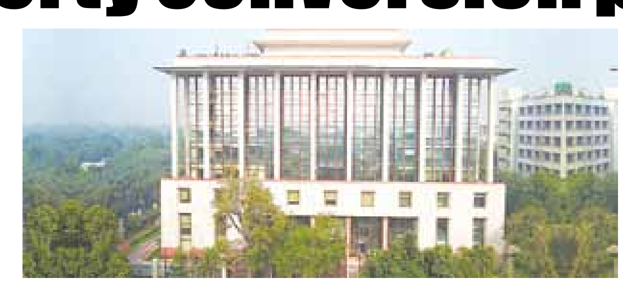

New Delhi, Agency: Delhi High Court has taken a dim view of Delhi Development Authority (DDA), Union Ministry of Housing and Urban Affairs (MoHUA) and Land & Development Office (L&DO) for the delay in finalising a policy for converting properties from leasehold to freehold. It gave the authorities a "last and final opportunity" to submit the final policy at least three days before the next hearing on Sept 28.

A bench of Justices Prathiba M Singh and Vikas Mahajan recently underlined that "scores of citizens" cannot be made to wait indefinitely.

Noting it was "clearly not satisfied" with the progress made since its previous order, the court took note of the minutes from a meeting between the authorities, and said they showed "no clarity on any policy whatsoever". HC directed the secretary of MoHUA's capital development department and the DDA vice-chairman to join the proceedings during the next hearing.

The bench was dealing with cases related to grievances with DDA's portal for leasehold-to-freehold property conversions, which has been offline since Feb 2026. HC clarified that any new policy would need to operate prospectively. Many applications are pending despite conversion charges having been collected by DDA as application processing remains stalled due to the portal being down, it pointed out.

Referring to a previous order, the court noted that 1,373 applications had been pending and DDA had collected Rs 155.1 crore in conversion charges.

Ex-IAS officer Das is Delhi Electricity Regulatory Commission chairman

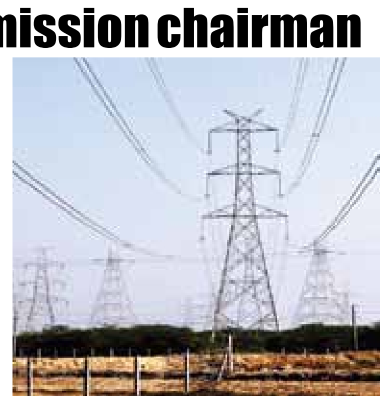

New Delhi, Agency: Former IAS officer Subhash Chandra Lal Das has been appointed chairman of the Delhi Electricity Regulatory Commission (DERC), ending a more than year-long vacancy at the city's power regulator.

Das, a 1992-batch AGMUT cadre officer, has been appointed by the President under the Government of National Capital Territory of Delhi (Amendment) Act, 2023, read with Section 84(1) of the Electricity Act, 2003, according to a notification issued by the Delhi Government's Power Department on Wednesday.

In another key appointment, retired district judge Ajay Kumar Jain has been named member (legal) of the DERC, while Praveen Gupta, member (thermal) of the Central Electricity Authority, has been appointed member (non-legal).

The appointments come after the DERC had remained without a full-time chairman since July 2025, when Justice Umesh Kumar (retd), the last chairman of the three-member commission, retired.

The prolonged vacancy had affected crucial regulatory functions, including the annual fixation of electricity tariffs and the process of recovering around Rs 38,500 crore in pending dues involving the three power distribution companies in Delhi.

The appointment of Das also marks a departure from the commission's recent practice of appointing retired High Court judges to head the power regulator. Officials said the decision to appoint a retired IAS officer represents a significant change in the leadership of the DERC.

In May, L-G Taranjit Singh Sandhu had constituted a committee to select the DERC chairperson and its two members. The panel's recommendations have now paved the way for the reconstitution of the commission.

Delhi to get relief from crumbling public toilets

New Delhi, Agency: Delhi could soon see a major overhaul of its public toilet infrastructure, with the Delhi Government planning to build 1,000 modern toilet blocks across markets, crowded areas and other public places The first phase will see 500 modern toilet blocks being constructed at an estimated cost of Rs 127 crore. The move is aimed at addressing the shortage of clean and functional public toilets, which continues to cause inconvenience to residents and visitors across several parts of the Capital.

The Delhi Tourism and Transportation Development Corporation (DTTDC) has started the process for the first phase and has already floated a tender for the construction of 500 modern toilet blocks.

'Don't break wall, building could collapse': Plumber warned hours before Satya Niketan PG tragedy

New Delhi, Agency: Hours before the Satya Niketan building collapsed, a plumber working at the property had warned that breaking a load-bearing wall could bring down the structure, but the warning was allegedly ignored, police said.

The warning emerged during the investigation into the collapse and is being verified by police. A police source said the plumber had cautioned the accused against breaking the wall after noticing the construction work at the property.

"During the investigation, we found out that one of the plumbers had warned the accused hours before the incident not to break the wall as it could lead to a collapse. However, the warning was allegedly ignored. We are verifying the testimony and other details related to the sequence of events," the source said.

Sources said the load-bearing wall was allegedly removed during construction and may have weakened the structure, contributing to its collapse.

During questioning, PG operator Sudhanshu Lovneesh, 31, allegedly told investigators that he had asked Mahesh, the building owner's son, about the construction and why it was being carried out. Police, however, have so far found nothing to corroborate his claim.

Investigators are questioning neighbours and others in the area to establish whether they had noticed the construction activity or raised concerns before the collapse. They are also reconstructing the sequence of work carried out at the property and examining the roles of those involved.